दैनिक

भोपाल, ग्वालियर, झांसी एवं शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
राष्ट्रवादी विचार धारा

RNI -MPHIN/2021/85532

जय खेड़ापति सरकार

नवनीत एक्सप्रेस

न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

वर्ष 04 अंक 298 संपादक - संपादक मनीष तिवारी | शिवपुरी,शुक्रवार 27 जून 2025 | Email ID navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ - 08 मूल्य - 02 रू.

प्राकृतिक और रासायनिक फसलों के उपार्जन के लिए मंडियों में होगी पृथक व्यवस्था : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्राकृतिक खेती जीवन के लिए वरदान है : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बनायें

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ÷प्राकृतिक खेती के नाम एक चौपाल÷ कार्यक्रम को अद्भुत व प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि जिस प्रकार नमस्कार का असली महत्व कोविड के बाद समक्ष आया, ठीक इसी प्रकार प्राकृतिक खेती का विचार रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के बाद आ रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं खेती की है, जिसमें रासायनिक खादों के उपयोग की आदत नहीं थी पश्चिम आधारित सोच के कारण कृषि में रासायनिक खाद का उपयोग बढ़ा। भारतीय ज्ञान के प्रति बढ़ते रूझान को देखते हुए गौ-पालन के लिए गौशाला बनाये जा रहे हैं, जिसके उत्पाद से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती की बड़ी संभावना है। उन्होंने कृषि मंत्री से कहा कि प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए योजनाएं बनायें, वे निश्चित रूप से इसे लागू करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती और रासायनिक खेती से उत्पादित फसलों के उपार्जन के लिए मंडियों में दो तरह की व्यवस्था करने को कहा, जिससे उत्पादित फसलों के उपभोग में कठिनाई न आये। मुख्यमंत्री गुरूवार को जबलपुर के मानस भवन में चौपाल प्राकृतिक खेती के नाम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन अभी 9 प्रतिशत है, इसे 25 प्रतिशत तक ले जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फैट के आधार पर दूध खरीदने की व्यवस्था है। भैंस के दूध को अधिक लाभदायक बताकर देशी गाय के दूध को महत्वहीन बताने का षडयंत्र रचा गया। उन्होंने गाय के दूध के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती के नाम एक चौपाल कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का हार्दिक स्वागत व आभार व्यक्त किया और कहा कि आचार्य देवव्रत ने अत्यंत सरलता से प्राकृतिक खेती के विषय को समझाया है। प्राकृतिक खेती के लिए गाय के गोबर से बने जीवामृत का उपयोग कर कृषि उत्पाद को बढ़ाकर धरती के स्वास्थ्य को भी सुरक्षित किया जा सकता है।गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने ÷प्राकृतिक खेती के नाम एक चौपाल÷ में प्राकृतिक खेती के अनुभव साझा करते हुए कहा कि रासायनिक खेती के दुष्परिणामों को देखते हुए उन्होंने सबसे पहले 5 एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती शुरू की थी। जिसमें प्रथम वर्ष की तुलना में गुणात्मक रूप से ज्यादा फसल की पैदावार प्राप्त हुई वे लगातार प्राकृतिक खेती कर रहे हैं बल्कि बेहतर उत्पादन भी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताकर प्राकृतिक खेती अपनाने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती में अंतर भी बताया। राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने कहा कि जिस प्रकार जंगल में बिना खाद पानी दिये जंगली पेड़ भरपूर फसल देते हैं, उसी प्रकार का नियम प्राकृतिक खेती में भी लागू होता है। प्रकृति अपने इकोसिस्टम से हर चीज को नियंत्रित कर अपने मूल स्वरूप में ला देती है। जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होते। प्राकृतिक खेती जीवन के लिए वरदान है। फसल के नाम पर रासायनिक खादों का उपयोग बंद करें, क्योंकि इससे कृषि मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं। जिससे धरती की उर्वराशक्ति प्रभावित होती है। उन्होंने रासायनिक खादों के दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्राकृतिक खेती एक ज्ञानकोष है

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति अन्नदाताओं के प्रति एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती एक ज्ञानकोष है, जिसे समझने की जरूरत है। उन्होंने ऋषि पाराशर द्वारा रचित वृक्षोर्वेद व वृहद सहिता का उल्लेख कर वर्षा का आंकलन के संबंध में बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ कपोल कल्पना ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक प्रयोगों से निकलें निष्कर्ष के आधार है। उन्होंने प्राकृतिक खेती के संबंध में जोर देते हुए कहा कि किसान बंधु प्राकृतिक खेती करें। कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्री अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, श्री संतोष बरकड़े, श्री नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया सहित बड़ी संख्या में किसान और नागरिक उपस्थित थे।

बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन से बिगड़े हालात...

अहमदाबाद में घर-ऑफिस में पानी भरा

हिमाचल में 24 घंटे में 5 जगह बादल फटा; 2 हजार टूरिस्ट फंसे, डैम से पानी छोड़ने का अलर्ट

संकट की घड़ी आई...नदिया उफनाई

बद्रीनाथ हाईवे के पास बड़ा हादसा, अलकनंदा में गिरा टेंपो-ट्रेवलर, तीन की मौत, कई लापता

मप्र में मानसून की बारिश बनी आफत, इंदौर में छाया अंधेरा, जबलपुर-विदिशा में घरों में घुसा पानी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, एजेंसी। मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। अहमदाबाद में बारिश के पानी के बहाव में आकर एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। 9 घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया। सूरत का गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगडने के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।

9 लोग लापता

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में ट्रैवलर गिर गई। हादसा घोलतीर में बद्रीनाथ हाईवे पर हुआ। ट्रैवलर में 20 लोग सवार थे, इनमें से 3 की मौत हो गई है, जबकि 8 घायल हैं। वहीं, 9 लोग अभी भी लापता हैं। ट्रैवलर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्री बैठे थे। ट्रैवलर सवार 20 लोगों के नाम, पता जारी किए गए हैं।

शुभांशु 28 घंटे का सफर पूरा कर पहुंचे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय

फ्लोरिडा, एजेंसी।

भारत के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है! दरअसल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है। वे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। 28 घंटे का लंबा अंतरिक्ष सफर पूरा करने के बाद, 26 जून को भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे शुभांशु और उनके तीन विदेशी साथी आईएसएस पर पहुंच गए हैं।

जानकारी अनुसार इस सफर के पूरा होने के साथ ही करीब दो घंटे बाद, यानी शाम 6 बजे स्पेस स्टेशन का हैच खुला और सभी अंतरिक्ष यात्री उसके अंदर दाखिल हुए। शुभांशु अगले 14 दिन आईएसएस में रहते हुए विज्ञान, स्वास्थ्य और माइक्रोग्रैविटी से जुड़े विभिन्न शोध करेंगे।

1984 के बाद दूसरी ऐतिहासिक उड़ान

शुभांशु शुक्ला से पहले 1984 में राकेश शर्मा ने सोवियत स्पेस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय, लेकिन आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस!

उड़ान के बाद लाइव संवाद में शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं यहां एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं - कैसे चलना है, कैसे खाना है। जब रॉकेट लॉन्च हुआ, तो लगा जैसे सीट में पीछे धकेले जा रहे हों। फिर एकाएक सब शांत हो गया। बेल्ट खोलते ही हम वैक्यूम की शांति में तैरने लगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक उपलब्धि है और इस सफलता के लिए उन्होंने अपने परिवार, वैज्ञानिकों और सभी सहयोगियों का धन्यवाद किया।

आज से शुरु हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा, 8 जुलाई तक चलेगी

-भगवान जगन्नाथ, भाई और बहन के साथ मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 27 जून यानी शुक्रवार से होगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी। जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह यात्रा का कार्यक्रम 12 दिन का है। रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। पंचांग के मुताबिक जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से होती है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 मिनट से लेकर 27 जून को 11:19 मिनट तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी।

यूएनएससी की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

कहा-कुछ तो शर्म करो

जिनेवा, एजेंसी। भारत ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पाकिस्तान की झूठी बयानबाजी और आतंक के समर्थन को बेनकाब करते हुए कड़ा जवाब दिया। यूएनएससी यानी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान की बखिया उधेड़ी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले, सीमा पार आतंकवाद, और अफगान बच्चों की हत्या जैसे गंभीर मुद्दों का हवाला देते हुए भारत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का पनाहगाह करार दिया। भारत ने कहा कि पाक को शर्म भी नहीं आती। उसे तो अब दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

यूएनएससी में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथनेनी हरिश ने आतंकवाद पर पाकिस्तान को खूब खरी-खोटी सुनाई। यूएनएससी में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत परवथनेनी हरिश ने कहा, 'पाकिस्तान यूएनएससी की प्रक्रियाओं को बार-बार बाधित कर अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। हम उसके उन प्रयासों को खारिज करते हैं, जिनके जरिए वह अपने देश में बच्चों पर हो रहे अत्याचारों से ध्यान हटाना चाहता है।' भारत ने जोर देते हुए कहा कि यूएन महासचिव की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में स्कूलों, खासकर लड़कियों के स्कूलों, और स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले किए गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अफगान सीमा से लगे इलाकों में पाकिस्तानी सेना की ओर की गई गोलाबारी में कई अफगान बच्चों की मौत और विकलांगता हुई।

MSME दिवस पर योगी आज करेंगे कई योजनाओं का शुभारंभ

युवाओं के लिए होंगी घोषणाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय भव्य समारोह में कई बड़ी घोषणाएं और लोकार्पण करेंगे। रोजगार, उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने वाली योजनाओं को गति देने वाले इस कार्यक्रम में युवाओं और कारीगरों को विशेष लाभ मिलेगा।

लोकभवन सभागार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सीएम-युवा मोबाइल ऐप का बटन दबाकर शुभारंभ किया जाएगा।

यह युवाओं के लिए रोजगार, परामर्श और उद्यमिता से जुड़ी सुविधाएं प्रदान करने का माध्यम बनेगा।

हिंदी भाषा को लेकर शाह बोले- हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र

भाषा राष्ट्र की आत्मा और हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र भाषा है। उन्होंने भारतीय भाषाओं और हिंदी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा होती है।

समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा, कि हम किसी भी भाषा के विरोध में नहीं हैं और न ही किसी विदेशी भाषा से ही हमारा बैर होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के महिमामंडन का होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक व्यक्ति अपनी भाषा में सोचने, बोलने और उस पर गर्व करने की मानसिकता नहीं अपनाता, तब तक वह गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने युवाओं और भावी पीढ़ियों को अपनी भाषा में सोचने और अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करना चाहिए।

सीजफायर के बाद गरजे खामनेई

इजराइल पर जीत दज की है और अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा

ट्रंप को लगा कि इजराइल तबाह हो जाएगा

तेहरान एजेंसी।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने सीजफायर के बाद गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देकर दावा किया कि उनके देश ने इजराइल पर जीत दर्ज की है और अमेरिका को भी मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान ने जंग में अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है। खामनेई ने यह टिप्पणी युद्धविराम की घोषणा के बाद की, जो अमेरिकी मध्यस्थता से लागू हुआ था।

अपने वीडियो संदेश में खामनेई ने कहा, इस्लामी गणराज्य विजयी रहा और बदले में अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उनका यह बयान उन खबरों के बाद आया जिसमें कहा गया था कि ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई।

खामनेई ने कहा कि अमेरिका ने केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि ट्रंप को लगा कि अगर अमेरिका ने हस्तक्षेप नहीं किया, तब जायोनिस्ट शासन (इजराइल) पूरी तरह तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ।

खामेनेई गुप्त स्थान पर थे!

दरअसल सुप्रीम लीडर खामेनेई 13 जून को युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए थे। युद्ध की शुरुआत इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों और शीर्ष सैन्य वैज्ञानिकों और अधिकारियों पर हमले के साथ हुई थी। इसके बाद से बताया गया कि खामेनेई एक गुप्त स्थान पर थे। 19 जून को उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया था, लेकिन वह उनके बंकर से ही रिकॉर्ड हुआ था। अब गुरुवार को उन्होंने एक और वीडियो संदेश जारी किया, जिसकी पहले से घोषणा ईरानी सरकारी चैनल और उनके सोशल मीडिया पेजों पर हुई थी। वीडियो में उन्होंने इजराइल पर जीत के लिए अपने नागरिकों को बधाई देकर कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है जिसमें इस्लामी गणराज्य ने अपने दुश्मनों को साफ संदेश दिया है।

उफनती अलकनंदा नदी में गिरी बस, 10 लोग हुए लापता

रुद्रप्रयाग एजेंसी। जिले के घोलतीर में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। उफनती अलकनंदा नदी में एक पूरी बस समा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा बद्रिनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ है। हादसे को लेकर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने कहा कि दुर्घटना ग्रस्त गाड़ी के टेम्पो ट्रैवलर होने की संभावना है। गाड़ी यात्रियों को लेकर जा रही थी। मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। पांच से सात लोग घायल हैं। बताया जा रहा है कि एक बॉडी रिकवर कर ली गई है। अस्पताल में भर्ती टैंपो ट्रैवलर के ड्राइवर सुमित ने पूरे हादसे की जानकारी दी है। उसने बताया कि बस केदारनाथ से बद्रीनाथ जा रही थी। इसी दौरान ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे टैंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होते हुए नदी में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। लापता लोगों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सोनम से भी खतरनाक साजिश ! मां-बेटी का था एक ही बॉयफ्रेंड, शादी के 30 दिन बाद बेरहमी से ली पति की जान

नई दिल्ली 18 मई 2025 का दिन, 32 साल के तेजेश्वर काफी खुश थे। जिस ऐश्वर्या को उन्होंने पसंद किया, उसी के साथ उनकी शादी होने जा रही थी। परिवार ऐश्वर्या को पसंद नहीं करता था, लेकिन तेजेश्वर के प्यार की खातिर इस शादी के लिए तैयार हो गया। वजह थी ऐश्वर्या का पहले से चल रहा एक अफेयर। धूमधाम से बारात चढ़ी और ऐश्वर्या को अपनी दुल्हन बनाकर तेजेश्वर घर ले आए। वक्त बीत रहा था, लगा कि पति-पत्नी की जिंदगी में सबकुछ ठीक चल रहा है, लेकिन शादी के ठीक 30 दिन बाद, 18 जून को तेजेश्वर की लाश एक गाड़ी के भीतर खून से लथपथ मिली।जुर्म की ये कहानी है तेलंगाना के तेजेश्वर की, जिनकी लाश आंध्र प्रदेश के कुरनूल में मिली। तेजेश्वर के पास जमीनों के सर्वे करने का लाइसेंस था। जिस दिन उनकी लाश मिली, उससे एक दिन पहले ही वह एक जमीन के सर्वे के लिए गए थे। जब शाम तक तेजेश्वर नहीं लौटे तो परिवार ने अगले दिन उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और उसी दिन उनकी लाश गाड़ी के भीतर मिली। अब सवाल था कि तेजेश्वर की हत्या किसने और क्यों की? अपने घर से दूर उस जगह पर वह क्या कर रहे थे, जहां उनकी लाश मिली? तेजेश्वर की किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी। लेकिन, पुलिस को उनके परिजनों ने जो कहानी बताई, उसके बाद तेजेश्वर की पत्नी

ऐश्वर्या और सास सुजाता को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तफ्तीश की, तो पता चला कि तेजेश्वर की पत्नी और सास ने ही उनकी हत्या की साजिश रची थी, जिसमें दोनों का बॉयफ्रेंड भी शामिल था।दरअसल, शादी से पहले तेजेश्वर ने ऐश्वर्या के बारे में जब अपने परिवार को बताया, तो उन्होंने अपनी होने वाली दुल्हन के बारे में छानबीन की। इस छानबीन में पता चला कि ऐश्वर्या का अफेयर एक बैंक मैनेजर के साथ चल रहा है। उन्होंने इस बारे में अपने बेटे को आगाह किया और शादी करने से रोका, लेकिन ऐश्वर्या के प्यार में अंधे हो चुके तेजेश्वर ने उनकी एक ना सुनी।शादी से पहले गायब हुई ऐश्वर्या18 मई को जब तेजेश्वर की शादी होने वाली थी, तो ठीक पांच दिन पहले ऐश्वर्या घर से गायब हो गई। रिश्तेदारों में हड़कंप मच गया। इधर, तेजेश्वर के परिवार को पता चला कि ऐश्वर्या अपने बॉयफ्रेंड के साथ है। तीन बाद ऐश्वर्या वापस लौटी और कहा कि वो शादी में दिए जाने वाले दहेज को लेकर परेशान थी, इसलिए अपनी एक सहेली के घर पर चली गई थी। उसने तेजेश्वर को भी अपनी फर्जी कहानी सुनाकर भरोसे में ले लिया। परिवार ने मना किया, लेकिन तेजेश्वर ऐश्वर्या से ही शादी की जिद पर अड़े रहे।सुपारी किलर और साजिशदोनों की शादी हुई और कुछ दिन बाद ही तेजेश्वर के प्रति ऐश्वर्या का बर्ताव बदल गया।

यूपी में 4 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का प्रमोशन; चारों अधिकारी प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव बने

लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार ने 4 वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (पै) अधिकारियों को प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर प्रोन्नत किया है. यह प्रोन्नति पे मैट्रिक्स लेवल 17 के तहत निर्धारित वेतनमान के साथ की गई है.प्रोन्नत अधिकारियों में एल वेंकटेश्वर लू, बीएल मीणा, नरेन्द्र भूषण और अनुराग श्रीवास्तव शामिल हैं. प्रोन्नति राज्य प्रशासन में इन अधिकारियों के उत्कृष्ट योगदान और अनुभव को मान्यता देते हुए की गई है.एल वेंकटेश्वर लू ने महत्वपूर्ण विभागों में अपनी कुशलता साबित की है. विशेष रूप से ग्रामीण विकास और तकनीकी नवाचार में. बीएल मीणा ने कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है.ये भी पढ़ें: यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल; 127 च्छै अफसरों का तबादला, जानिए कौन कहां गया

नरेन्द्र भूषण ने शहरी विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है, जबकि अनुराग श्रीवास्तव प्रशासनिक सुधारों और लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जाने जाते हैं.कार्मिक और नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, प्रोन्नति के साथ इन अधिकारियों को अब और अधिक जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जो उत्तर प्रदेश के विकास और प्रशासनिक दक्षता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण होंगी.सरकार ने इस कदम को राज्य के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है. वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस प्रोन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उम्मीद जताई है कि ये अधिकारी अपने नए पदों पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे.

यूपी में 4 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का प्रमोशन; चारों अधिकारी प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव बने

लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार ने 4 वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (पै) अधिकारियों को प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव (एसीएस) के पद पर प्रोन्नत किया है. यह प्रोन्नति पे मैट्रिक्स लेवल 17 के तहत निर्धारित वेतनमान के साथ की गई है.प्रोन्नत अधिकारियों में एल वेंकटेश्वर लू, बीएल मीणा, नरेन्द्र भूषण और अनुराग श्रीवास्तव शामिल हैं. प्रोन्नति राज्य प्रशासन में इन अधिकारियों के उत्कृष्ट योगदान और अनुभव को मान्यता देते हुए की गई है.एल वेंकटेश्वर लू ने महत्वपूर्ण विभागों में अपनी कुशलता साबित की है. विशेष रूप से ग्रामीण विकास और तकनीकी नवाचार में. बीएल मीणा ने कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है.ये भी पढ़ें: यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल; 127 च्छै अफसरों का तबादला, जानिए कौन कहां गयानरेन्द्र भूषण ने शहरी विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है, जबकि अनुराग श्रीवास्तव प्रशासनिक सुधारों और लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जाने जाते हैं.कार्मिक और नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, प्रोन्नति के साथ इन अधिकारियों को अब और अधिक जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जो उत्तर प्रदेश के विकास और प्रशासनिक दक्षता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण होंगी.सरकार ने इस कदम को राज्य के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है. वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस प्रोन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उम्मीद जताई है कि ये अधिकारी अपने नए पदों पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे.यह प्रोन्नति न केवल इन अधिकारियों की मेहनत का सम्मान है, बल्कि उत्तर प्रदेश प्रशासन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है.

हमीरपुर में बदमाशों की दहशत, असलहे के बल पर सीमेंट फैक्ट्री में घुसे, गेट तोड़कर ट्रक उड़ा ले गए

हमीरपुरः उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में एक सीमेंट फैक्ट्री में अवैध असलहे से लैश बदमाशों ने धावा बोलकर गेट तोड़ डाला। सुरक्षा कर्मियों पर असलहा तानकर फैक्ट्री के अंदर से ट्रक लेकर भाग गए। घटना से फैक्ट्री में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने ट्रक लेकर भागे दबंगों की तलाश शुरू कर दी है।यह सनसनीखेज वारदात हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे के औद्योगिक नगरी में संचालित जेके सीमेंट फैक्ट्री में हुई। जिसे लेकर फैक्ट्री के प्रबंधन दहशत में है। पिछले दिनों जेके सीमेंट फैक्ट्री में एक ट्रक सीमेंट लादने आया था। फैक्ट्री के अंदर दाखिल होते ही ट्रक की सुरक्षा कर्मियों ने जांच की तो पाया कि ट्रक के चेचिस नंबर के साथ नंबर प्लेट फर्जी है। मामला संदिग्ध देख फैक्ट्री के सुरक्षा कर्मियों ने इस ट्रक को फैक्ट्री के अंदर यार्ड में खड़ा करा दिया। इसकी जानकारी जैसे ही ट्रक मालिक को हुई तो उसने फोन कर फैक्ट्री कर्मियों को ट्रक छोड़ने की धमकी दी।ऐसे बोला धावाधमकी का कोई असर न होने पर ट्रक मालिक ने अपने तमाम अवैध असलहे से लैस बदमाशों के साथ फैक्ट्री में धावा बोल दिया। फैक्ट्री का मेन गेट तोड़कर सुरक्षा कर्मियों के सीने पर अवैध असलहे लगा दिए। इसके बाद फैक्ट्री के अंदर यार्ड में खड़ा ट्रक दबंग लोग ले गए। इस घटना से फैक्ट्री में अफरातफरी मच गई। फैक्ट्री प्रबंधन ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी कर्मियों से ली। इसके बाद घटना की जानकारी सुमेरपुर थाना और एसपी से की गई।जांच में जुटी पुलिसफैक्ट्री प्रबंधन ने थाने में ट्रक मालिक सुमित गुप्ता और तमाम अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। घटना के बाद फैक्ट्री के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालने में पुलिस जुटी हुई है। सुमेरपुर थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बुधवार को बताया कि जांच में अवैध हथियार लिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है। सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध वाहन भी नहीं दिख रहा है। बताया कि पूरे मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ऐड शूट के दौरान फ्रेंच महिला से रेप का आरोपी धरा गया, उदयपुर पुलिस के सामने सिद्धार्थ उर्फपुष्पराज बोला - हनी ट्रैप हुआ हूं

उदयपुर राजस्थान के उदयपुर जिले में फ्रांस की एक युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।ऐड शूट के बहाने आया संपर्क मेंउदयपुर एसपी योगेश गोयल ने बताया कि 22 जून को यह घटना घटित हुई, जब फ्रांस की महिला उदयपुर में एक मोबाइल कंपनी के विज्ञापन की शूटिंग के लिए आई हुई थी। शूटिंग टीम के ही एक सदस्य ने वारदात को अंजाम दिया।रात की पार्टी में विदेशी युवती हुई शिकारदिनभर की शूटिंग के बाद पूरी टीम एक पार्टी में शामिल हुई। इसी दौरान आरोपी ने युवती को सिगरेट पीने के बहाने बाहर बुलाया और फिर गाड़ी में छेड़छाड़ की। इसके बाद अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।23 जून को मिली सूचना, मामला दर्जघटना की जानकारी पुलिस को 23 जून को मिली, जिसके बाद बड़गांव थाने में मामला दर्ज किया गया। पीड़िता के बयान लिए गए और विशेष पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई।7 दिन में पेश होगा चालानएसपी योगेश गोयल ने बताया कि आरोपी को आज सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला गंभीर है, इसलिए तेजी से जांच की जा रही है और सात दिनों के भीतर चालान पेश किया जाएगा।पहले से नहीं था कोई संपर्कप्रारंभिक जांच में यह बात सामने नहीं आई है कि पीड़िता और आरोपी पहले से एक-दूसरे के संपर्क में थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि फ्रेंच महिला भारत कब आई और कहां रह रही थी।विदेशी महिला से रेप का आरोपी पकड़ लिया गया है। मामले को लेकर सख्त कार्रवाई की जाएगी और जल्द से जल्द ट्रायल शुरू कराने की प्रक्रिया की जा रही है।योगेश गोयल, एसपी, उदयपुर पुलिसआरोपी की कंपनी श्उदयपुर कास्टिंग कॉलश्पुलिस के अनुसार, आरोपी की एक कास्टिंग एजेंसी है, जिसका नाम श्उदयपुर कास्टिंग कॉलश् है। शूटिंग उसी एजेंसी द्वारा आयोजित की गई थी।मीडिया के सामने बोला दू हनी ट्रैप हुआ हूंगिरफ्तारी के बाद जब आरोपी को पुलिस एसपी कार्यालय लेकर पहुंची, तब उसने मीडिया के सामने दावा किया कि वह ष्हनी ट्रैपष् का शिकार हुआ है। पुलिस इस दावे की भी जांच कर रही है।

कौन है ब्राउन शुगर भाभी ? मायके से ससुराल तक सब धंधे में शामिल, लड़कियों की टीम से कराती थी सप्लाई

नई दिल्ली नाम- रूबी सिंह उर्फब्राउन शुगर भाभी, पता- बिहार का सासाराम जिला और नाम के आगे लगभग 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज। अकेले एक ही थाने में 13 केस। मायके से लेकर ससुराल तक, परिवार के लोग भी उसके अवैध धंधे में शामिल थे। वो 10 साल से अपने इस गैरकानूनी कारोबार को चला रही थी। आसपास के कई जिलों तक उसका जाल फैला हुआ था। केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि लड़कियां भी उसके इस धंधे में शामिल थीं। पुलिस का शिकंजा कसा और पूछताछ हुई तो होश उड़ा देने वाले राज निकलकर सामने आए।अपने घर से ब्राउन शुगर यानी ड्रग्स का धंधा चलाने वाली रूबी सिंह उर्फ ब्राउन शुगर भाभी अब सलाखों के पीछे है। लेकिन, उसके किस्से निकलकर सामने आ रही हैं। रूबी यूपी से ब्राउन शुगर लाकर उसमें दूसरा नशीला पाउडर मिलाती और इसके बाद ये ड्रग्स आसपास के जिलों में भेजी जीती थी। बिहार की रहने वाली रूबी के ड्रग्स का कारोबार, झारखंड की राजधानी रांची के लगभग हर हिस्से में फैला हुआ था। सबसे पहले आपको बताते हैं कि ब्राउन शुगर भाभी के नाम से मशहूर रूबी सिंह कौन है। बिहार के सासाराम जिला में रेलवे स्टेशन के पास बसे कारगर गांव की रहने वाली रूबी पिछले 10 साल से ड्रग्स के धंधे में है। उसका भाई पिंटू साह, छोटी बहन का पति प्रिंस और देवर सूरज कुमार साह सहित पूरा परिवार इसी धंधे में शामिल है। बिहार में रहते हुए वह रांची तक अपना धंधा चला रही थी।

अलग-अलग थानों में 20 से ज्यादा केसपुलिस के मुताबिक, रांची के लगभग हर इलाके में ब्राउन शुगर का

कारोबार करने वाले रूबी से ही ब्राउन शुगर खरीदते थे। ब्राउन शुगर का धंधा करते हुए उसके ऊपर 20 से ज्यादा मुकदमे हुए, लेकिन जुर्म की दुनिया में उसके कदम नहीं रुके। रूबी के ऊपर रांची के सुखदेवनगर थाने में 13, कोतवाली में 2, लोअर बाजार में 2, गोंदा, खेलगांव, जगन्नाथपुर के पुंदाग और अरगोड़ा सहित कई थानों में केस दर्ज हैं।

शिकंजा कसा तो कर दिया सरेंडर

हालांकि, अपने ऊपर कानूनी शिकंजा कसता देख रूबी ने 29 अप्रैल 2025 को सासाराम में सरेंडर कर दिया। रांची पुलिस जब उसकी तलाश में सासाराम पहुंची तो उसके सरेंडर के बारे में पता चला। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर उसकी रिमांड मांगी और उन्हें तीन दिन की रिमांड मिल गई। रिमांड में रूबी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए।लड़कियां संभालती थीं सप्लाई का जिम्मारूबी के मुताबिक, ब्राउन शुगर के उसके धंधे में लड़कियां भी जुड़ी हुई हैं। इन लड़कियों का काम रूबी से ब्राउन शुगर लेकर इसे सप्लायरों तक पहुंचाने का होता है। लड़कियों को शामिल पीछे करने का मकसद ये था कि उनके ऊपर कोई शक नहीं करता था। हाल ही में उसके इस ड्रग्स रैकेट से जुड़ी एक महिला को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। उसके पास से पुलिस को करीब 4 लाख 50 हजार रुपये और 88 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ।कन्हैया भी ब्राउन शुगर भाभी का ग्राहकपूछताछ में पता चला कि रांची में ब्राउन शुगर का मुख्य सरगना कन्हैया भी रूबी सिंह से ही माल खरीदता था। रूबी से खरीदने के बाद वह अपने पैडलरों को कमीशन देकर, उनसे इस ब्राउन शुगर की बिक्री कराता था। कन्हैया कई साल तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहा। इसके बाद पुलिस ने उसके ही एक खास गुर्गे को अपना आदमी बना कर उसके पास भेजा और कन्हैया को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जेल में बंद है।

ब्रीफ न्यूज़

भोपाल में स्कूल बसों पर आरटीओ की कार्रवाई

भोपाल। स्कूल बसों की अनियमितताओं को लेकर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड पर विशेष चेकिंग अभियान के दौरान माउंट कार्मल और केएम कॉन्वेंट स्कूल समेत कई स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट और फिटनेस के दौड़ रही 5 बसें जब्त की गईं। ये सभी वाहन जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़े कर दिए गए हैं। इसके अलावा तीन अन्य बसों से बिना क्ष्ट और चालक के पास वैध लाइसेंस न होने पर 25,000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। आरटीओ अमले ने मौके पर ही दस्तावेजों की बारीकी से जांच की और जिन वाहनों में भारी खामियां पाई गईं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने इस संबंध में कहा, बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी स्कूल बसों के दस्तावेज जैसे फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट और बीमा की अनदेखी गंभीर अपराध है। यह सीधे तौर पर बच्चों की जान से खिलवाड़ है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आज भोपाल में होगा मीसाबंदियों का सम्मान

भोपाल। इंदिरा सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बीजेपी ने कल प्रदेश भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया। आज (गुरुवार) सीएम हाउस में मप्र के 700 मीसाबंदियों का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सम्मान करेंगे। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक और प्रदेश भर से मीसाबंदी शामिल होंगे। सीएम हाउस में होने वाले कार्यक्रम में पूरे मप्र से 700 मीसाबंदी अपने परिवारजनों के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद सीएम मीसाबंदियों के परिवार के साथ भोजन भी करेंगे। भौमिक ने कहा कि बाकी मीसाबंदियों को प्रभारी मंत्री जिलों में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर ताम्र पत्र भेंट करेंगे। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बुधवार को भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीसाबंदियों का सम्मान किया था।

एएसआई लिखा-पढ़ी करता रहा..

ब्यावरा। मप्र सरकार सड़क हादसे में घायल को 'गोल्डन आवर' में अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए प्रोत्साहन देती है, ताकि वक्त पर इलाज से जान बच सके। लेकिन मंगलवार को ब्यावरा के कुरावर में खुद पुलिस ने 'गोल्डन आवर' को ताक पर रख दिया। दरअसल, तलेन स्टेट हाइवे पर दो बाइकों की भिड़ंत में 4 युवक घायल हुए। इनमें गोविंद मालवीय (25) और मनीष मालवीय (23) की हालत गंभीर थी। घटना के बाद एक घायल युवक बार-बार एएसआई प्रसादीलाल से गुहार लगाता रहा- हमें हॉस्पिटल में एडमिट करवा दो, मैं मर जाऊंगा नहीं तो। लेकिन एएसआई कागजों में उलझे रहे। करीब 15 मिनट बाद डायल-100 से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन देरी के चलते दोनों को भोपाल रेफर करना पड़ा। टीआई बोलीं- एंबुलेंस देर से आई- टीआई संगीता शर्मा ने देरी की वजह एंबुलेंस के देर से पहुंचने को बताया। बुधवार को इस घटना का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें घायल मदद की गुहार लगाता दिखा।

इंदौर में सुबह से बादल छाए, बारिश के आसार

इंदौर। इंदौर में आज सुबह से बादल छाए हुए है। मौसम वैज्ञानिकों ने बारिश के आसार जताए हैं। इससे पहले, बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे। सुबह 11 बजे से शाम तक मौसम ऐसा ही रहा। इस दौरान कहीं रिमझिम तो कहीं हल्की बारिश हुई। वहीं, दिन का तापमान 29.5 (-4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4 डिग्री कम है। रात का तापमान 23.2 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य है। इस जून यह चौथी बार है कि रात का तापमान सामान्य पर है। हालांकि 24 घंटों में सिर्फ 4.5 मिमी बारिश ही दर्ज हुई है, लेकिन मौसम ठंडा रहा। जून में इस बार 25 दिनों में से 16 दिन बारिश जरूर हुई लेकिन दिनभर में बहुत ही कम यानी 10 मिमी से भी कम। सिर्फ दो बार ऐसी स्थिति बनी, जब दिनभर में सिर्फ आधा-आधा इंच बारिश हुई। इसके चलते इस बार जून में अभी तक 2 इंच बारिश हुई है जबकि जून का कोटा 5 इंच का है। अब जून खत्म होने में 5 दिन बाकी हैं और कोटा पूरा करने के लिए 3 इंच बारिश की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार अभी एक टर्फ प्रदेश के बीच से गुजर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण

समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल स्थापित करती है मध्यस्थता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर संवाददाता

भोपाल। हमारे देश की प्राचीन सोच को नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता वर्तमान समय की मांग हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर के पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यस्थता से न केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता की सोच को मध्यप्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द का माहौल बन सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक तानेबाने के सुचारू संचालन के लिए जरूरी है कि पारिवारिक रिश्तों की मजबूती बनी रहे। उन्होंने इंदौर पुलिस कमिश्नरेट, जिला प्रशासन और विधिक सेवा प्राधिकरण को बधाई देते हुए कहा कि यह पुण्य कार्य सराहनीय मॉडल है।

पुलिस कमिश्नरेट इन्दौर एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में नवनिर्मित सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यपालिक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म.प्र. उच्च न्यायालय जस्टिस श्री संजीव सचदेवा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय मध्यस्थता

समिति जस्टिस श्री विवेक रूसिया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट , सांसद श्री शंकर लालवानी, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं इंदौर के मध्यस्थ उपस्थित रहें।

मध्यस्थता समझौता कराने के साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत बनाती है :-

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति श्री संजीव सचदेवा ने कहा कि मध्यस्थता विवादों में समझौता कराने के साथ साथ मानवीय रिश्तों को मजबूत करने का भी कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में इसे मीडिएशन की संज्ञा दी गई है, जबकि भारत में वर्षों से पंच सरपंचों द्वारा विवादों के मामले में समझौता किया जा रहा हैं।

22 मध्यस्थता केन्द्र में 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों का सुलझाया गया :-

प्रशासनिक न्यायाधिपति, म.प्र. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर श्री विवेक रूसिया ने बताया कि इंदौर में 22 मध्यस्थता केंद्रों में 27 विभिन्न सामाजिक समूहों के 125 मध्यस्थ के द्वारा 5000 से अधिक मामलों को सुलझाया गया। उन्होंने बताया कि इंदौर देश का एकमात्र शहर है जहां कलेक्टर कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय में मध्यस्थता केंद्र स्थापित हैं। कमिश्नर कार्यालय में पिछले 4 माह से ट्रायल के आधार पर मध्यस्थता केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम आने पर आज मूर्त रूप देकर इसका लोकार्पण किया गया हैं।

सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट :-

कार्यक्रम के अंत में पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सम्मानस्वरुप प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

पीएससी आने वाले महीनों में भरेगी 5562 पद

डेढ़ साल में 3756 पदों पर दीं नियुक्ति, 72 डिप्टी कलेक्टर, 51 डीएसपी के पद भरे

नगर संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग आने वाले महीनों में 5562 पदों पर भर्ती करेगा। इनमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, लाइब्रेरियन, स्पोर्ट्स अफसर, माइनिंग अफसर, सहायक प्राध्यापक, मेडिकल स्पेशलिस्ट, मेडिकल आफिसर, यूनानी और आयुर्वेदिक चिकित्सा के विभिन्न पद शामिल हैं। इसके विज्ञापन जारी हो चुके हैं और आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग पिछले डेढ़ साल में 3 हजार 756 पदों पर भर्ती कर चुका है। इस दौरान तीन राज्य सेवा परीक्षा आयोजित कर उसके परिणाम घोषित किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में पीएससी के जरिये नियुक्तियां देने का काम तेजी से चल रहा है। इस अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए सिफारिश की गई। पीएससी चेयरमैन डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि दिसंबर 2023 से अब तक जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के लिए 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा

पत्र भेजे गए हैं। लोक सेवा आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। इनके माध्यम से आगामी महीनों में 5 हजार 562 पद भरे जाएंगे। पीएससी से वर्तमान में 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं। आयोग जारी किए गए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

इन पदों के लिए हुई इतनी नियुक्तियां :-

आयोग के सचिव प्रबल सिपाहा ने बताया कि आयोग ने डेढ़ साल में 3 राज्य सेवा परीक्षा - 2019, 2021, 2022 के लिए 1109 पदों और 3 राज्य वन सेवा परीक्षा के लिए 200 पदों के लिए अंतिम चयन परिणाम घोषित किए। इस अवधि में राज्य सेवा परीक्षा के माध्यम से सामान्य प्रशासन एवं गृह विभाग को 72 डिप्टी कलेक्टर एवं 51 उप पुलिस अधीक्षक के पदों के लिए सिफारिश की गई। परीक्षा के माध्यम से सहायक संचालक स्कूल शिक्षा विभाग के 132 पदों तथा मप्र वित्त सेवा के 22 पदों के लिए भी स्कूल शिक्षा एवं वित्त विभाग को अनुशंसा की गई। राज्य वन सेवा परीक्षा के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक के 19 तथा वन क्षेत्रपाल एवं परियोजना क्षेत्र अधिकारी के 181 पदों के लिए वन विभाग को अनुशंसा पत्र भेजे गए।

इंदौर में बैंक के अंदर 4 लाख की ठगी

नगर संवाददाता

इंदौर। इंदौर के एक प्रिंटिंग प्रेस संचालक के साथ बैंक के भीतर ही 4 लाख रुपए की ठगी हो गई। चेक ड्रॉप बॉक्स में डालने के बाद अज्ञात आरोपी ने बैंक कर्मचारी की मदद से चेक हासिल किया, उसमें करेक्शन कर 'सेल्फ' भुगतान लिखा और फर्जी आईडी लगाकर बैंक से रकम निकाल ली। मल्हारगंज पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। मल्हारगंज थाना पुलिस के अनुसार, शिकायत ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी नियाज पुत्र सईद अहमद ने की है, जो 'शगुन प्रिंटिंग' के नाम से प्रिंटिंग का व्यवसाय करते हैं। नियाज ने बताया कि उन्हें व्यापारिक लेन-देन के तहत आजाद हुसैन द्वारा बैंक ऑफ इंडिया (गांधी नगर शाखा) का एक अकाउंट पे चेक प्राप्त हुआ था। 10 जून को उन्होंने यह चेक कैनरा बैंक (संभावित मल्हारगंज शाखा) के ड्रॉप बॉक्स में जमा किया। दो दिन बीतने के बाद भी जब चेक क्लीयर नहीं हुआ, तो 12 जून को नियाज खुद कैनरा बैंक पहुंचे।

नशीला जूस पिलाकर पूल पार्टी में नाबालिग से रेप

भोपाल में महिला मैनेजर ने दो दिन दोस्तों से दुष्कर्म कराया; पीड़िता बोली-इत्र लगाकर जबरदस्ती की

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल में नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आया है। जांच में सामने आया है कि पीड़िता को जान-पहचान की एक युवती ने पहले बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर बुलाया और वहां उसे युवकों के हवाले कर दिया। आरोप है कि महिला ने अगले दिन एक फार्महाउस में पूल पार्टी में ले जाकर पीड़िता को जूस में मिलाकर नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद वहां भी उसका यौन शोषण हुआ। इस मामले में दो महिलाओं समेत सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 19 जून को दीदी (इवेंट मैनेजर रिया उर्फ रितु यादव) ने मुझे बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर करोंद बुलाया। जब मैं वहां पहुंची, तो जहांगीराबाद निवासी हनीफ शाह पहले से मौजूद था। उसने जोर-जबरदस्ती कर मेरे शरीर पर इत्र लगाया। 20 जून को रिया मुझे खजूरी सड़क इलाके के एक फार्महाउस 'चॉइस विला' ले गई।

वहां पूल पार्टी चल रही थी। यहां रिया ने मुझे जूस में शराब मिलाकर पिलाई। थोड़ी देर बाद मुझे पेट दर्द और उल्टी हुई, तो रिया दीदी ने एक कमरे में सुला दिया। रात में जब आंख खुली, तो मेरे आधे कपड़े उतरे हुए थे। रिया कमरे में अपनी दोस्त माही के साथ बैठी थी। बाद में घर लौटने पर रिया ने मुझे बताया कि मुकेश बालचंदानी (एमके सर) ने मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। जब मैंने घर जाने की बात की, तो रिया ने मारपीट की और मुझे घर नहीं जाने दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 21 जून को जब रिया ब्यूटी पार्लर गई, तो मैंने मौका देखकर अपनी मां को इंस्टाग्राम पर कॉल किया। मां फौरन पुलिस को लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची और मुझे छुड़ाया। मामले में पुलिस रिया, मुकेश, हनीफ और एक अन्य को गिरफ्तार कर चुकी है।

3 दिन में तीसरी बार शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

नगर संवाददाता

भोपाल। रानी कमलापति से नई दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन (12001) में फिर पथराव हुआ है। बुधवार शाम 6 से 6.30 के बीच बीना और झांसी के बीच ट्रेन पर हुए पथराव में ष्ट-6 कोच की खिड़की का ग्लास पूरी तरह चटक गया। इस दौरान घटना में किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची, लेकिन ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई। बीते 3 दिन में तीसरी बार शताब्दी एक्सप्रेस में पत्थरबाजी की घटना हुई है। इसी ट्रेन पर मुरैना में भी पथराव हुआ है। मुरैना स्टेशन से गाड़ी आगे बढ़ते ही ई-6 कोच के कांच में पत्थर आकर लगा। हमले के बाद झांसी रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि %फिलहाल हमारे पास कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच की जाएगी। वहीं, रेल यात्रियों का कहना है कि लगातार हो रही पत्थरबाजी की घटनाओं से अब ट्रेन में बैठने में डर लगने लगा है। रविवार रात को भी ग्वालियर के बिरला नगर और रायरू स्टेशन के बीच शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव किया गया था। इस दौरान ष्ट-5 कोच की खिड़की टूटी। घटना में गोविंदपुर निवासी रेलशिया श्रीवास्तव नाम की महिला यात्री बाल-बाल बचीं।

निगमकर्मी के सामने छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या

भोपाल में विवाद में बीचबचाव करने पहुंचा था; लड़की को लेकर भिड़े थे दो गुट

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के कोलार में नगर निगम के फायरकर्मी के सामने उसके छोटे भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना एक रेस्टोरेंट के पास बुधवार रात 10 से 11 बजे के बीच हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरकर्मी सूरज मोरे और उसका दोस्त आशीष रेस्टोरेंट में बैठकर चाय पी रहे थे। यहां आशीष का किसी लड़की को लेकर कुछ युवकों से विवाद हो गया। मामला बढ़ा तो आशीष ने सूरज के भाई आकाश (23) को कॉल कर बुला लिया। दूसरे

पक्ष ने भी अपने साथियों को बुलाया। इसके बाद दोनों ओर से चाकूबाजी की गई। चाकूबाजी में आकाश और दूसरे गुट का एक युवक जख्मी हो गए। आकाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे युवक की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि मामले में अवध राठौड़ और तरुण कुशवाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दोनों की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में लोग कोलार थाने पहुंच गए और देर रात तक थाने का घेराव कर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसर मौके पर पहुंचे और भीड़ को शांत कराया। आरोपी फरार हैं। बताया जा रहा है कि दोनों गुटों में लड़की को लेकर विवाद था। समाज के वरिष्ठ ने चाय की दुकान पर दोनों गुटों को समझौते के लिए बुलाया था। पंचायत में विवाद का हल तलाशने की बात चल रही थी। तभी वारदात हो गई। रतलाम में 5 जून की रात 17 साल के लड़के की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उसके शरीर पर 15 घाव मिले थे। जहां वारदात हुई वहां से पुलिस थाना महज 500 मीटर दूरी पर थी। मृतक के दोस्त ने बताया कि वह विशाल ररोतिया के साथ बाइक पर जा रहा था। इस दौरान दो बत्ती पेट्रोल पंप के पास देवेंद्र उर्फ कालू मालवीय (21) और अभय राजपुरोहित (21) ने रोक लिया। अभी, विशाल से किसी लड़की से बात करने को लेकर विवाद करने लगा। तभी कालू ने विशाल पर चाकू से वार कर दिया।

नए पदोन्नति नियमों को लेकर जीएडी आज करेगा मीटिंग

मंत्रालय में सामान्य, ओबीसी, पिछड़ा वर्ग अधिकारी-कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

नगर संवाददाता

भोपाल। नए पदोन्नति नियमों को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) आज सभी विभागों के साथ बैठक करेगा। इस बैठक में जीएडी अफसर पदोन्नति नियमों के मुताबिक विभागों की विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन कर पहली बैठक जल्द से जल्द बुलाए जाने के निर्देश देंगे। दूसरी ओर नए पदोन्नति नियमों के विरोध में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा आज मंत्रालय में लंच के दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ ने मुख्य सचिव, एसीएस जीएडी और मंत्रालय के सुरक्षा अधिकारी को आंदोलन का नोटिस पहले ही दे दिया है। 19 जून को लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025

का राजपत्र में प्रकाशन करने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने नए पदोन्नति नियमों को लेकर सभी विभागीय अफसरों की मीटिंग बुलाई है। जीएडी द्वारा बुलाई गई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहेंगे। मोहन कैबिनेट द्वारा लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी 17 जून को दी गई। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके नियम जारी किए हैं। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव जीएडी के अलावा सभी ?विभागों के एसीएस, प्रमुख सचिव और सचिव शामिल होंगे। सुबह 10.30 बजे से होने वाली बैठक के लिए सभी विभागों के अफसरों को विभागीय तैयारियों के साथ आने के लिए कहा गया है। इस बैठक में विभागों के अफसरों को पदोन्नति नियमों के संबंध में अफसरों के सामने आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए भी राय दी जाएगी।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पदोन्नति नियम जारी करने के बाद विभागीय पदोन्नति समिति के गठन पर सबसे पहला फोकस है। इसलिए बैठक में आने के पहले कई विभागों के अफसर पदोन्नति समिति के गठन की प्रक्रिया पूरी करके आ सकते हैं ताकि चीफ सेक्रेटरी को प्रोग्रेस से अवगत कराया जा सके। इसमें एससी-एसटी वर्ग के कम से कम एक अफसर की अनिवार्यता तय की गई है। दूसरी ओर जीएडी अफसरों ने कहा है कि विभाग जून माह में डीपीसी मीटिंग बुलाकर मंत्रालय सेवा और राजस्व से राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों के पदों के लिए डीपीसी कर सकता है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने बताया कि पदोन्नति नियमों में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों की अनदेखी किए जाने के कारण कर्मचारियों अधिकारियों में विरोध गहराता जा रहा है। इसी तारतम्य में मंत्रालय में मंगलवार को सामान्य, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों की एक मीटिंग हुई जिसमें गुरुवार को गेट नम्बर एक के सामने प्रदर्शन कर पदोन्नति नियमों का विरोध करने का फैसला किया गया।

भोपाल में जो बिल्डिंग गिरी, वह 10 साल पहले जर्जर घोषित

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर में जिस बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 32 साल के युवक की मौत हुई, वह करीब 10 साल पहले ही जर्जर घोषित हो चुकी है और इन्हें खाली भी कराया जा चुका है। बावजूद इनमें अब भी लगभग 200 परिवार अवैध तरीके से रह रहे हैं। हादसा होने के बाद जिला प्रशासन बिल्डिंग से अवैध कब्जा हटवाकर इन्हें जमींदोज करेगा। टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया कि इस बारे में संपदा विभाग के अधिकारियों से बात भी हुई है। जल्द ही बिल्डिंग गिराई जाएगी। जिस बिल्डिंग गिरने से युवक की मौत हुई, उसे हादसे के तुरंत बाद ही ढहा दिया गया है। क्षेत्र के पार्षद जगदीश यादव ने बताया कि ओल्ड एमएलए क्वार्टर के पीछे ही 50 से 60 साल पुराने जर्जर मकान है। जिन्हें 10 साल पहले खाली करा लिया गया था। यह इलाका सुनसान रहता है। इस वजह से अवैध गतिविधियां होती हैं। 200 से अधिक परिवार अवैध तरीके से रह रहे हैं। कइयों ने तो मकान पर कब्जा करके किराए पर दे रखा है।

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी- सप्लीमेंट्री खत्म-पहली परीक्षा फरवरी में कंपलसरी, दूसरी मई में ऑप्शनल-अप्रैल जून में नतीजे

परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा सीबीएसई 10वीं का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप,परीक्षाओं में कम तनावपूर्ण माहौल व छात्रों को सीखने का बेहतर मौके देना है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर पूरी दुनिया के मंझे हुएशिक्षाविदों बुद्धिजीवियों व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष विश्लेषणात्मक भूमिका रखने वालों की पूरी नजर गढ़ी हुई है, क्योंकि इस नई राष्ट्रीय नीति 2020 में अनेकों ऐसे अनुशंसित नियम व मौके हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में भारत की पीढ़ीयों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके पूर्व हमने देखे कि इंजीनियरिंग सहित अनेको कोर्स अपनी मातृभाषा में करने का सटीक सिस्टम लागू किया गया है, जो इस एनईपी 2020 का ही हिस्सा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के सभी राज्यों ने भी तुरंत लागू करना चाहिए क्योंकि इस शिक्षा नीति को अपनाने से जोजनरेशन निकलेगी वह पारिस्थितिकीजन्य विश्लेषण कर नई प्रौद्योगिकी वह नीति से आगे बढ़ाने वाली होगी।आज इस विषय पर हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सीबीएसई के एग्जामिनर कंट्रोलर ने बुधवार दिनांक 25 जून 2025 शाम को प्रेस में बताया कि दसवीं की परीक्षा अब सत्र 2025-2026 से वर्ष में दो बार होगी, व उसका पूरा विवरण बताए जो हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे।चूँकि इस नए पैटर्न से छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार करने का मौका मिलेगा जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे सीबीएसई 10वीं बोर्ड का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण व छात्रों को सीखने का बेहतर मौका देना है। साथियों बात अगर हम सत्र 2025-26 से सीबीएसई 10वीं की परीक्षा पैटर्न में चेंज की करें तो,अगर हम या हमारे बच्चे 10वीं की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर हमारे लिए बेहद जरूरी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2026 से कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के तरीके में बड़ा बदलाव करने का ऐलान किया है, अब छात्रों को परीक्षा में साल में दो बार बैठने का मौका मिलेगा, यानी अगर कोई छात्र अपने पहले प्रयास के अंकों से संतुष्ट नहीं है, तो वह दूसरी परीक्षा में बैठ सकता है, इसका उद्देश्य छात्रों पर से दबाव कम करना और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का दूसरा मौका देना है।सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक ने दी जानकारी दीं उन्होंने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा, दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे%%इससे छात्रों को एक ही शैक्षणिक सत्र में दो अवसर मिलेंगे और वे समय पर अपने करियर और आगे की पढ़ाई के लिए निर्णय ले सकेंगे।उन्होंने आगे कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा, छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा, इसका मतलब यह है कि छात्र केवल उन्हीं विषयों की परीक्षा दोबारा देंगे, जिनमें वे अपनी पहली कोशिश से संतुष्ट नहीं हैं %%तय मानदंडों के अनुसार, शीतकाल में बंद रहने वाले स्कूलों के दसवीं कक्षा के छात्रों को किसी भी चरण में उपस्थित होने का विकल्प मिलेगा. इसके अनुसार, शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा, यह बदलाव परीक्षा प्रक्रिया को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए किया गया है, सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी और हितधारकों की प्रतिक्रिया मांगी गई थी, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश के मुताबिक, बोर्ड परीक्षाओं की ''उच्च अपेक्षा%% वाले पहलू को खत्म करने के लिए सभी छात्रों को किसी भी शैक्षणिक वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।सीबीएसई का यह नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुरूप है। नीति का उद्देश्य बोर्ड परीक्षाओं को कम तनावपूर्ण बनाना और छात्रों को सीखने के बेहतर मौके देना है,सीबीएसई ने इस बदलाव से पहले फरवरी 2025 में ड्राफ्ट नियम जारी कर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे थे,इन सुझावों के आधार पर ही यह नया पैटर्न तैयार किया गया है।सीबीएसई का यह नया फैसला बोर्ड परीक्षा को ज्यादा लचीला और छात्र- केंद्रित बनाता है, अब छात्र अपनी गलतियों को सुधारने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए दो मौके पा सकेंगे, जिससे परीक्षा का तनाव कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा, यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। साथियों बात अगर हम 10वीं सीबीएसई के इस चेंज पैटर्न को गहराई से समझने की करें तो, नए एग?जाम पैटर्न की 3 अहम बातें, परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी। अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब?जेक?ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बता दें कि पहले और दूसरे चरण की परीक्षाओं में सेलेबस भी एक ही रहेगा और पूर्ण पाठ्यक्रम शामिल होगा, इसके साथ ही जो स्टूडेंट दोनों परीक्षा में हिस्सा लेंगे, उनके परीक्षा केंद्र एक ही होंगे,(1) अगर एग्जाम फीस की बात करें तो रजिस्ट्रेशन के वक्त ही दोनों परीक्षाओं की फीस जमा करनी होगी। (2) सीबीएसई दूसरे एग्जाम के जरिए उन स्टूडेंट्स को मौका देना चाहता है, जो एक बार परीक्षा के बाद अपने परिणामों में सुधार करना चाहते हैं (3) अगर कोई स्टूडेंट साल की दोनों परीक्षाओं में हिस्सा लेता है तो उसके उन नंबरों को फाइनल माना जाएगा, जो ज्यादा होंगे, अगर किसी के पहले एग्जाम में ज्यादा नंबर आते हैं और दूसरे एग्जाम में कम नंबर आते हैं तो उसके पहले चरण की परीक्षा के नंबर को फाइनल माना जा सकता है। बता दें कि स्टूडेंट्स तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की अनुमति दी जाएगी, अगर कोई स्टूडेंट पहली परीक्षा में 3 या 3 से ज्यादा विषयों में शामिल नहीं हुआ है तो उसे दूसरी परीक्षा में बैठने का मौका नहीं मिलेगा।सीबीएसई की ओर से फरवरी में जो ड्राफ्ट तैयार किया गया था, उसमें कहा गया था कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा के पहले चरण की परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च के बीच आयोजित हो सकती है और दूसरे चरण की परीक्षाएं 5 से 20 मई के आयोजित होंगी।अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से वर्ष में दो बार होगी- सप्लीमेंट्री खत्म-पहली परीक्षा फरवरी में कंपलसरी, दूसरी मई में ऑप्शनल-अप्रैल जून में नतीजे,परीक्षा के नए पैटर्न में छात्रों को अंकों में बेहतर सुधार का यह मौका करियर में मील का पत्थर साबित होगा।सीबीएसई 10वीं का नया पैटर्न राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुरूप,परीक्षाओं में कम तनावपूर्ण माहौल व छात्रों को सीखने का बेहतर मौके देना है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कविता

माँ की ममता

रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी
मानने को वह तैयार ही नहीं थी
अपनी बेटी को नजरें तलाश रहीं थीं
लगातार वह विलाप कर रही थी
कुछ सुनने और कहने को वह तैयार ही नहीं थी
पति की सहानुभूति से और रो रही थी
बेटी को नजरें तलाश रही थीं
तड़फ सी दिल से निकल रही थी
धीरे-धीरे सुबह भी शाम में ढल रही थी
कहीं खोज खबर ही नहीं मिल रही थी
रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी
अचानक से फोन की घंटी बज रही थी
थाने में पहुंचने की अब घड़ी थी
पिता के साथ आज माँ यूँ चल पड़ी थी
जो नहीं देखा था वह देखने आगे बढ़ चुकी थी
सामने बेटी दूल्हे संग खड़ी थी
मां को यह बात बहुत ही खली थी
जिसे पाल पोस कर बड़ा किया आज वह अपनी मनमर्जी करने चली थी
दिल के हुए दो टुकड़े सुनकर जो वह कहने चली थी
माँ बाप के संग अब वह ना चली थी
मनमानी से शादी जो कर चुकी थी
संस्कारों की कड़ी जो अब टूट चुकी थी
जिसके लिए तड़पी थी उसी से आज नाता तोड़ने चली थी
पिता बोले तुम कितने भ्रम में जी रही थी
कोई और नहीं यह खुद से घर से निकल चली थी
समाज के अत्याचार से नहीं माँ की ममता से पीड़ित थी
पिता की रूह कांप उठी जब वह कहने चली थी
मैं अपनी मर्जी से घर से चली थी
ना लड़के की ना समाज की गलती थी
क्योंकि अब मैं बालिग जो हो चली थी
माँ की ममता आज तार तार हो चली थी
थाने में उनकी एक न चली थी
कमजोर होने ममता की कड़ी चली थी
शायद मेरी ममता में ही कुछ कमी थी?..
रात भर वो सोई नहीं, कलप रही थी
घर में चीख पुकार मच रही थी

वंदना घनश्याला की कलम से

कविता

जग के नाथ जगन्नाथ

शरण में जो आए, प्रभु तारते हैं।
दया दृष्टि से ही संकट हरते हैं।
रथ में विराजे, नगर घूमते हैं।
कृपा से सभी को नव जन्म देते हैं॥
सुभद्रा समेतें, बलदेव साथे।
भक्ति में लहरें, जन मोद पाथे।
ध्वज और पताका, शुभ चित्त राखे।
पवित्र पथों पर चरण प्रभु राखे॥
पट जब खुले तो हृदय नाचे रे।
भीड़ें उमड़तीं, सभी गाएँ रे।
रथ खींच भक्तों का मन भाए रे।
मोक्षोपथ खुद प्रभु बतलाएँ रे॥
कालों में कलि का ये नाथ जग है।
केशव का साक्षात् रूप रथ मग है।
हरि नाम से ही तो भक्ति उमग है।
रथयात्रा चेतन पथ की सजग है॥
सागर समर्पण, चरणों पे होवे।
मन मन्दिरों में प्रभु प्रेम रोवे।
जग के अधीशा, कृपा की शोभा।
जगन्नाथ ही तो शरण हैं लोभा॥

स्वाति सिंह साहिबा
संस्थापिका अनुरनन प्रतिध्वनि साहित्यिक मंच
महेश्वर

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के

प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवत- भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा। लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है।-

शम्भवी सिंह

आस्था

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि दिन शुक्रवार

मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सदुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कार्यकर्ता की पसंद का होगा जिला अध्यक्ष : आरिफ नसीम

संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिला शहर कांग्रेस कमेटी भिण्ड द्वारा कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत शहर स्थित बद्रीप्रसाद की बगिया भिण्ड में कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। जिसमें एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान, मप्र कांग्रेस के पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी बैजनाथ कुशवाहा, प्रदेश सह सचिव रामलखन दण्डोतिया, भाण्डेर विधायक फूलसिंह बरैया, पूर्वमंत्री चौधरी राकेश सिंह, गोहद विधायक केशव देसाई, जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा, शहर जिला अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा, प्रदेश सचिव धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया पिंकी, प्रदेश सह सचिव मनोज दैपुरिया, बाबा भगवान दास सेंथिया, जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद, महिला कांग्रेस की

अध्यक्ष रेखा भदौरिया, महिला सेवादल की अध्यक्ष स्मिता शर्मा, राघवेन्द्र शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष मेहगांव भास्कर पुरोहित, रंजीत गुर्जर, शांति कुशवाह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर सूत की माला से माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर एआईसीसी के पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने कहा कि मप्र में कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन अभियान चल रहा है, इस अभियान के तहत कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की पसंद से जिला अध्यक्ष का चुनाव होगा। कार्यकर्ता जिस व्यक्ति को अपनी पसंद बनाएंगे, वहीं जिला अध्यक्ष बनेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तमाम बुद्धिजीवी वर्ग, पत्रकार एवं आम जनता से हुई बातचीत के दौरान निष्कर्ष निकलकर आया कि कार्यकर्ता की पसंद से कांग्रेस को अपना जिला अध्यक्ष बनना चाहिए, तभी संगठन मजबूत होगा। जब संगठन मजबूत होगा, तभी राज्य एवं देश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इसी के तहत मैंने भिण्ड जिले की सभी विधानसभाओं का दौरा कर कांग्रेस के जंगबाज कार्यकर्ताओं की आवाज को सुना और उनकी पसंद के व्यक्तियों का पैनल बनाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजूंगा। जिससे आने वाले समय में भिण्ड जिले की विधानसभा की पांचो सीटों पर कांग्रेस अपना विजयी परचम फहरा सके।पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह ने कहा कि इस बार कांग्रेस का जिलाध्यक्ष कार्यकर्ताओं कि मंशा के अनुसार बनेगा, जो किसी नेता की पसंद का नहीं, कांग्रेस के मंडलम, सेक्टर, ग्राम पंचायत एवं वार्ड के कार्यकर्ताओं की सहमति से होगा, जो कार्यकर्ताओं की आवाज को दमदारी से उठा सकता हो, जिसमें सभी को साथ लेने की क्षमता हो, जिसके भाजपा के नेताओं के साथ कोई राजनीतिक संबंध न हों। भाण्डेर विधायक फूल सिंह बरैया एवं पूर्वमंत्री चौधरी राकेश सिंह ने भी बैठक को संबोधित किया। कार्यक्रम में भरत चौधरी, रंजीत सिंह शाक्यवार, बृजेन्द्र सिंह कल्लू भारौली, अजय शर्मा, शैलेन्द्र भदौरिया, देवेन्द्र सिंह, रीना चौहान, सीमा शर्मा, जानकी, प्रमोद दीक्षित पीसी, सुखप्रीत मिश्रा, गोविन्द कुशवाह, वीरेन्द्र यादव, आनंद शाक्य, संजीव बरुआ, मोहम्मद इरफान गम्मू, नईम पठान, रामहेत शाक्य, छोटेसिंह नरवरिया, शिवदत्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

विहसन्त सागर महाराज का बरासों में मंगल प्रवेश आज

नगर संवाददाता

भिण्ड। मेडिटेशन ग्रुरू उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज मुनि विश्व साम्य सागर महाराज ससंग का महातीर्थ अतिशय क्षेत्र बरासों जी में आज 27 जून दिन शुक्रवार को प्रातः काल 8 बजे भव्य मंगल प्रवेश होने जा रहा है। जानकारी देते हुए पार्षद मनोज जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ससंघ का भिंड नगर में चातुर्मास हेतु आगमन हो रहा जो इंदौर से शिवपुरी गुना सोनागिर बेहट होते हुए महातीर्थ बरासों जी जैन मंदिर में 27 जून को प्रातः काल 8 बजे मंगल प्रवेश करेंगे । पार्षद जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ने भगवान महावीर स्वामी की समवसरण स्थली अतिशय क्षेत्र बरासो जैन मंदिर की जीर्णशीर्ण हालात को देख कर पहली बार विहसन्त सागर महाराज ने चातुर्मास किया था। उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार कराकर देश प्रदेश में नाम किया, जिसे देश के विभिन्न स्थानों के लोग बढ़ी संख्या में लोग अष्टमी चौदस को दर्शन करने आते है।

अंतर्राष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर विधिक जागरुकता शिविर आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड उमेश पाण्डव के मार्गदर्शन में ग्राम काशीपुरा एवं चरथर में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड देवेश शर्मा ने नालसा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अनैतिक तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अंतर्गत नालसा तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण के पीड़ित योजना और नालसा मादक द्रव्य दुरुपयोग के पीड़ितों के लिए सेवाएं और मादक द्रव्य उन्मूलन योजना अंतर्गत

उपस्थित ग्रामीणजन को नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आज के इस दौर में किशोर अवस्था में बालक नशे की तरफ बड़ी आसानी से अग्रसर हो जाता है। इस उम्र में बालक में समझने-बूझने की क्षमता कम होती है तथा वह अपने साथियों के साथ मिलकर नशे जैसे बीड़ी, तंबाकू, सिंगरेट, गुटका आदि से शुरुआत कर ड्रग सेवन तक पहुंच जाता है। ऐसा करते हुए वह जाने-अनजाने में विभिन्न प्रकार के अपराधों को कारित करता है। अतः सभी आमजनों को नशे से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। हमें नशा उन्मूलन के बारें अपने आस-पास के आमजनों को जानकारी देनी चाहिए एवं उनकी इस लत को छुड़ाने में उनका प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर डिप्टी चीफ अजय कुमार त्रिपाठी, ग्राम के सरपंच, सचिव, ग्रामीणजन एवं पीएलव्ही भिण्ड सुमित यादव, ब्रजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

चंबल नदी से रेंगते हुए पांच किमी दूर गांव में पहुंचा मगरमच्छ

वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ा

नगर संवाददाता

भिण्ड। चंबल नदी के अटेर घाट से एक मगरमच्छ रेंगते हुए पांच किमी दूर अटेर क्षेत्र के बामन गांव में पहुंच गया। गांव में मगरमच्छ दिखने के बाद लोगों में डर फैल गया। बुधवार की रात करीब 8 बजे मगरमच्छ गांव के पास दिखाई दिया। ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और वन विभाग को सूचना दी। रात करीब साढ़े 9 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जाल लगाकर मगरमच्छ को पकड़ लिया। रात में मगरमच्छ को सुरक्षित बंधक बनाकर रखा गया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे वन विभाग की टीम ने उसे रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग के डिप्टी रेंजर बलवीर चौरसिया ने कहा कि बारिश का सीजन शुरू होते ही नदियों में पानी बढ़ने लगता है। ऐसे में मगरमच्छ सुरक्षित स्थान की ओर पलायन करते हैं। कई बार चंबल नदी के किनारे बसे गांवों के तालाबों में भी मिलते हैं। मगरमच्छ का रेस्क्यू कर नदी में छुड़वाया गया है।

ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र लहार एवं आलमपुर को नोटिस

नगर संवाददाता

भिण्ड। अपर कलेक्टर भिण्ड ने कॉम्पैक्ट सिस्टम अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र लहार और नीलेश दुबे अनुबंधित ऑपरेटर एवं संचालक लोकसेवा केन्द्र आलमपुर को अनुबंधित आरएफपी की शर्तों का उल्लंघन करने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय ने नोटिस जारी कर कहा है कि 25 जून को विभागीय निर्देशानुसार अध्यक्ष लोकसेवा केन्द्र निगरानी समिति अनुविभाग लहार, एसडीएम लहार एवं जिला प्रबंधक लोकसेवा प्रबंधन विभाग द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में अनुबंध की शर्तों अनुसार स्टाफ उपस्थित नहीं पाए जाने, महिला कर्मचारी उपस्थित नहीं पाए जाने, सभी काउंटर चालू नहीं पाए जाने, स्टाफ की बायोमेट्रिक अटेंडेंस का रिकार्ड उपलब्ध नहीं करवाने, मैन्युअल उपस्थिति पंजी भी संधारित नहीं पाई जाने, परिसर में सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल नहीं किए गए, पीआरओ डेस्क संचालित नहीं हैं, आवेदन पर 5 रुपए अतिरिक्त शुल्क लिया गया, अधिसूचित सेवाओं की जानकारी, शुल्क चार्ट नहीं पाए गए सहित अन्य तथ्य/कमियां परिलक्षित हुईं।

मुनिराज के आगमन को लेकर महिला मंडल ने किया जनसंपर्क

नगर संवाददाता

भिण्ड। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र बरासों में मंगल प्रवेश एवं भिंड नगर में चातुर्मास को लेकर श्रद्धालुओं में बहुत उत्साह है जिसको लेकर विहसन्त सागर महिला मंडल द्वारा जगह-जगह जनसंपर्क एवं मीटिंग कर महिला मंडलों को जोड़कर मुनिराज की भव्य अगवानी को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। महिला मंडल ने सकल समाज से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर मुनिराज की अगवानी को भव्य बनाएं। अपील करने वालों में गीता जैन, सीमा जैन, वर्षा जैन, अमिता जैन, प्रीति जैन, अनीता जैन, बेबी जैन, सुनीता जैन, सुमन जैन आदि बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं।

बालक-बालिकाओं के स्वस्थ रहने के लिए उत्तम साधन है खेल प्रशिक्षण

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण वर्ष 2025 समर कैम्प का हुआ समापन

नगर संवाददाता

मेहगांव। जिलाधीश भिण्ड संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बाक्सला एवं कार्यालय प्रभारी रामबाबू कुशवाहा के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग भिण्ड द्वारा विकास खण्ड मेहगांव में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण वर्ष 2025 समर कैम्प का समापन गुरुवार को शा. महाविद्यालय मेहगांव के खेल परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मण्डल अध्यक्ष मेहगांव नीरज जी शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक बालिकाओं को प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया।शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालक-बालिकाएं पढ़ाई के साथ-साथ सभी बच्चे किसी न किसी खेल में अपने आपको पारंगत करें। खेलों का जीवन में अत्यधिक महत्व है, इसलिए बच्चों के साथ-साथ माता-पिता को भी उनके प्रति गंभीर होना होगा, क्योंकि खेलों से मन मस्तिष्क स्वस्थ रहता है, शरीर बलवान होता है, रोगों से मुक्ति मिलती है एवं करियर बनाने में ये सहायक होते हैं। मेहगांव ब्लॉक के प्रभारी एवं जिला खेल प्रशिक्षक संजय पंकज ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर एक महीने तक लगाया गया, जिसमें कुश्ती प्रशिक्षक डॉ. हर्षद मिश्र एवं कबड्डी प्रशिक्षक ज्योति नरवरिया ने छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर रमेश कुमार शर्मा, राजवीर सिंह, ब्रजेश शर्मा उपस्थित रहे।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर एबीव्हीपी ने निकाला मशाल जुलूस

नगर संवाददाता

भिण्ड। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर बुधवार की शाम को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भिण्ड शहर में मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और लोकतंत्र की जय के नारे लगाए। हाथों में जलती मशाल लेकर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शहर की सड़कों पर उतरे और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वालों को श्रद्धांजलि दी।मशाल जुलूस की शुरुआत हाउसिंग कॉलोनी से हुआ जो मुख्य मार्ग होते हुए गौरी सरोबर तक पहुंचा। रास्ते में परिषद के कार्यकर्ता ऐतिहासिक आपातकाल को देश का काला दिन बताते हुए लोगों को इसके इतिहास की जानकारी देते रहे। विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी सुमित दीक्षित ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने सत्ता के मद में देश पर आपातकाल थोप दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी, लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए थे। देशभर में विरोध करने वालों को जेलों में ठूंस दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज का दिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले मीसा बंदियों और आंदोलनकारियों को याद करने का है। जिनकी आवाज को दबाने की कोशिश की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सभी ने लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया। अंत में गौरी सरोबर पर मशाल बुझाकर लोकतंत्र रक्षकों को नमन किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष को लेकर पर्यवेक्षक ने विभिन्न वर्गों से की चर्चा

कार्यकर्ताओं से कहा-जैसा चाहिए वैसा ही जिलाध्यक्ष मिलेगा

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिले में कांग्रेस का नया जिलाध्यक्ष बनाए जाने की कवायद तेज हो गई है। पार्टी के पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने बुधवार की शाम भिण्ड पहुंचकर विभिन्न वर्गों से विस्तृत चर्चा की। सर्किट हाउस में आयोजित बैठकों में उन्होंने वकीलों, पत्रकारों, समाजसेवियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जिलाध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी की। बैठक में सर्वप्रथम वकील समुदाय से विचार-विमर्श किया गया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष विनीत मिश्रा, लीगल सेल जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा और पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह कुशवाह सहित अन्य वकीलों ने जिले के विकास और कांग्रेस संगठन की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखे। इसके उपरांत पत्रकारों से मुलाकात कर शहर की समस्याओं और राजनीतिक परिस्थितियों की जानकारी ली गई। इस अवसर पर कांग्रेस लीगल सेल जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने बताया कि जिले में संगठन लंबे समय से कमजोर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे जिलाध्यक्ष की आवश्यकता है जो वैचारिक रूप से मजबूत हों, कार्यकर्ताओं को एकजुट कर सकें और आंदोलन की रणनीति बनाकर उसे क्रियान्वित करने की क्षमता रखते हों। कार्यकर्ताओं ने नए जिलाध्यक्ष के लिए विशेष योग्यताएं सुझाईं। उनके अनुसार, उम्मीदवार शिक्षित होने के साथ-साथ हिन्दी और अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ रखने वाला होना चाहिए। साथ ही सामाजिक मुद्दों की गहरी समझ और आंदोलनों का नेतृत्व करने की क्षमता भी आवश्यक मानी गई।

कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेंगे

पर्यवेक्षक मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि पार्टी जल्द ही इस विषय पर निर्णय लेगी। वे दो दिवसीय दौरे पर भिण्ड में हैं और इस दौरान कार्यकर्ताओं से विस्तृत फीडबैक लेंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नगर संवाददाता

भिण्ड। अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध एवं तस्करी रोकथाम दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस भिण्ड में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान के तहत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आरए शर्मा के मार्गदर्शन और निर्देशन में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थ की सेवन से बचाव और उनकी तस्करी पर रोकथाम हेतु जागरुकता था। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. मोहित कुमार दुबे ने बताया कि नशा मुक्त जीवन जीने के लिए परिवार और दोस्तों का सहयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यदि समाज भी इस समस्या के खिलाफ एकजुट हो जाए, तो नशे पर काबू पाया जा सकता है। एक नशा मुक्त समाज न केवल स्वस्थ बल्कि सशक्त भी होता है। हमें इस दिशा में जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। प्रो. अभिषेक यादव ने बताया नशा आज के समय में एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो व्यक्ति के शारीरिक मानसिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। यह न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि व्यक्ति के परिवार और समाज पर भी इसका गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शराब, तंबाकू, सिगरेट, ड्रग्स जैसे नशे के पारंपरिक रूप तो आम हैं ही, लेकिन आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की लत ने नशे का एक नया और खतरनाक रूप ले लिया है। ये आदतें धीरे-धीरे व्यक्ति को वास्तविक जीवन से दूर कर देती हैं और उन्हें मानसिक और भावनात्मक रूप से कमजोर बना देती हैं। डॉ. रवि जैन ने कहा नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। इससे हृदय रोग फेफड़ों की समस्याएं कैंसर और मानसिक बीमारियां हो सकती हैं। यह न केवल शारीरिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को कमजोर बना देता है। डॉ. आशीष गुप्ता ने बताया कि नशा एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसे खत्म किया जा सकता है यदि व्यक्ति, परिवार और समाज मिलकर प्रयास करें। हमें नशे के खिलाफ जागरुकता फैलाने और नशा मुक्त जीवन को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होना चाहिए। नशा मुक्त समाज ही हमारे देश को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकता है। इसलिए हमें नशे से बचने और दूसरों को भी बचाने के लिए दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से युवक गंभीर घायल आरोपी इलाज के लिए ले गया ग्वालियर

दोनों पक्षों में हुआ विवाद

नगर संवाददाता

मुरैना। जिले के बागचीनी थाना अंतर्गत सड़क किनारे जा रहे एक व्यक्ति को ईट से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके पश्चात आरोपी ट्रैक्टर चालक उसे जिला अस्पताल ले गया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। इधर घायल के परिजनों ने आरोपी पर घायल युवक का अपहरण करने का आरोप लगाया। इसके बाद यह मामला बागचीनी थाने पहुंच गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह जौरा की ओर से ईट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर जा रहे आरोपी चालक ने तेजी एवं लापरवाही से एक युवक को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटनास्थल पर भीड़ एकत्रित होने पर आरोपी ट्रैक्टर चालक इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल ले आया और अपना ट्रैक्टर ट्रॉली घटनास्थल पर ही छोड़ आया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सक ने घायल युवक को ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया। जब वह घायल युवक को ग्वालियर लेकर पहुंचा तो उसकी स्थिति काफी गंभीर थी और कोमा में जा चुका था। आरोपी को लगा कि अब खर्चा ज्यादा होगा तो वह उसके परिजन जीजा साले तथा अन्य लोगों को कहा कि चलो मुरैना चलते हैं, मैं आपको पैसा दे दूंगा। मुरैना पहुंचकर आरोपी ट्रैक्टर चालक द्वारा उन्हें पैसा नहीं दिया गया और ठेंगा दिखाते हुए अपने कुछ लोगों को बुला लिया। इस दौरान गुस्से में घायल युवक के जीजा से आरोपी का विवाद हो गया और दोनों में मारपीट हो गई। घटना के बाद घायल युवक के परिजन सिविल लाइन थाने पहुंचे और बताया कि आरोपी द्वारा उनके साले को घायल कर अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने पूरा मामला समझ और पीड़ित परिवार को बागचीनी थाना में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए रवाना कर दिया। इस मामले में थाना प्रभारी डिंपल मौर्य ने बताया कि घटना की जानकारी जरूर मिली है, लेकिन कोई भी पक्ष यहां थाने नहीं आया है। घटनास्थल से ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त कर लिया गया है।

खाद्य विभाग की कार्यवाही, रिफाइण्ड ऑयल से बन रहा था पनीर, किया जप्त

नगर संवाददाता

मुरैना। खाद्य विभाग द्वारा जिले भर में लगातार सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। इसी श्रृंखला में जिले के जोरा क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा स्थित 3 प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की गयी। एक डेयरी पर रिफाइड पामोलिन के उपभोग से पनीर का निर्माण करते मिला, जिसे जप्त किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अवनीश गुप्ता एवं अनिल प्रताप सिंह परिहार द्वारा गुरुवार को अपनी टीम के साथ राधाकृष्ण दुग्ध डेयरी मनीष पैट्रोल पंप के पास एमएस रोड का निरीक्षण करने पर डेयरी परिसर में रिफाइंड पामोलिन ऑयल का उपयोग पनीर निर्माण में करते हुए पाया गया। संचालक दुर्गेश जादौन के पनीर एवं रिफाइंड पॉमोलिन ऑयल के नमूने जाँच हेतु लिये गये। वहीं मौके पर रखा 20 किलोग्राम पनीर जप्त किया गया। उक्त दुग्ध डेरी का रजिस्ट्रेशन निलंबित करने की अनुशंसा की गयी। जप्त किए गए पनीर की कीमत 10,000 बताई गई है। इसके बाद टीम ने केशव किराना सदर बाजार से घी के नमूने के नमूने जांच हेतु लिए हैं। टीम ने तीसरी कार्यवाही प्रभुदयाल रानेशकुमार सदर बाजार जौरा के यहां करते हुए फोर्टीफाइड ऑयल एवं लाल मिर्च पाउडर के नमूने लिये।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक लोगों पर आशा कार्यकर्ताओं को किया जागरूक, अपनों को बचाएंः संदीप

नगर संवाददाता

मुरैना। आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर अस्पताल के सभागार में एचआईवी एड्स एवं नशा निवारण पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बीसीएम श्रीमती मधु सेमिल द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों में बढ़ते हुए नशे की प्रवृत्ति चिंता का विषय है। आज के युग में लोंग दवाइयो का का दुरुपयोग करके भी नशा करते हैं। इसके प्रति हमें लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है, संगोष्ठी के दौरान आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दिवस नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हम सबको नशीले पदार्थों से अपनों को बचाने की जरूरत है क्योंकि वर्तमान समय में युवा वर्ग कई प्रकार के नशे दवाइयों के दुरुपयोग कर कर रहा हैं, नशीली दवाइयों के सेवन के लिए सिरिंज व निडिल के सांझे उपयोग से एचआईवी एड्स संक्रमण होने का खतरा बढ़ता है। संगोष्ठी में बीसीएम श्रीमती मधु सेमिल, आईसीटीसी के परामर्शदाता संदीप सेंगर, मनीकांत शर्मा, संगत संस्था की सुपरवाइजर श्रीमती रूबी शुक्ला, सत्येंद्र बैरागी एवं आशा सहयोगिनी श्रीमती कृष्ण शाक्य, हेमलता बृजवासी, मधु शर्मा, कविता जादौन एवं विभिन्न ग्रामों से आई हुई आशा कार्यकर्ताएं मौजूद थी।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने 21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 34 हजार रूपये का राजस्व वसूला

नगर संवाददाता

मुरैना। जिले के अंतर्गत संचालित स्कूल बस, यात्री बसों की निरंतर अनियमितता संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रहीं थी। शिकायतों को कलेक्टर अंकित अस्थाना ने गंभीरता से लिया और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार को जांच के निर्देश दिये। निर्देशों के तहत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती परिहार ने 26 जून को ट्राफिक सूबेदार मलखान सिंह के सहयोग से मुरैना एवं जौरा शहर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए चैकिंग पॉइंट लगाये। इसमें यातायात पुलिस ने भी सहयोग प्रदान किया। चैकिंग अभियान में यात्री, स्कूल वाहन, ओवरलोड, बीमा, फिटनेस आदि अनाधिक्रत 66 से अधिक वाहन पाये। जिसमें सुरक्षा उपकरणों की कमी होने के कारण विभिन्न धाराओं में कार्यवाही सहित 21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 34 हजार रूपये का राजस्व वसूला। इस दौरान 5 मैजिक स्कूल वाहनों को मोटरयान नियमों के अनुसार आवश्यकता अनुसार वैध दस्तावेज नहीं पाये जाने के कारण पुलिस थाना यातायात मुरैना में सुरक्षार्थ रखवाया गया। 05 मैजिक वाहनों से अनुमानित 55 हजार रूपये का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत 01 से 26 जून तक खेल कूद प्रतियोगितायें आयोजित की

नगर संवाददाता

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में मुरैना जिले में 01 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न स्थानों एवं निकायों में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कई कार्यक्रम खेलकूद प्रतियोगिता, योग, चित्रकला, पोस्टर, निबंध लेखन, शपथ ग्रहण समारोह आदि आयोजित किए गए। जिसमें जिले के सभी वर्ग के नागरिकों द्वारा सहभागिता ली गई एवं जिले को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

आकस्मिक निरीक्षण में पकड़ी विद्युत चोरी, बनाए गए प्रकरण

नगर संवाददाता

मुरैना। जिले की जौरा विधानसभा में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विद्युत चोरी पकड़ने के लिए आकस्मिक निरीक्षण के दिए गए। निर्देशों का पालन करते हुए स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को अचानक कार्रवाई करते हुए 10 स्थान पर विद्युत की चोरी पकड़ी। सहायक यंत्री पी.एस.यादव, कनिष्ठ यंत्री मुकेश मिश्रा की टीम ने अस्पताल रोड, सविता नगर, रामनगर क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण किया तो 10 विद्युत उपभोक्ता बाईपास विद्युत की चोरी करते हुए पकड़े गए। पकड़े गए सभी विद्युत उपभोक्ताओं के विरुद्ध चोरी के प्रकरण भी बनाए गए हैं। इस दौरान ब्रजमोहन धाकड़, भारत मीणा, हरिओम कुशवाह, ऋषिकेश कुशवाह, मुकेश सविता, अमरकांत शर्मा, एहसान खान, अलीमुद्दीन, घनश्याम सिकरवार सहित अन्य विद्युत कर्मचारी भी साथ रहे।

अज्ञात वाहन ने नाग को कुचला, नागिन ने नहीं छोड़ी जगह, वहीं प्राण त्यागे

नगर संवाददाता

कैलारस। अभी हाल ही में जिले के अंबाह क्षेत्र में एक नाग नागिन के जोड़े का प्रेम मिलन करता हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो वही एक दुःखद घटना पहाड़गढ़ थाना से 3 किलोमीटर दूर धूड़कूड़ा गांव में घटित हुई, जहां एक अज्ञात वाहन से कुचलकर नाग की मौत होने पर उसके सदमे में बैठी नागिन ने भी अपने प्राण त्याग दिए, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में फैल गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहाड़गढ़ से 3 किलोमीटर दूर ग्राम धूड़कूड़ा कॉलोनी के पास अज्ञात वाहन से नाग की मृत्यु होने पर सुबह से ही नागिन ने आकर नाग के पास बैठकर अपने प्राण त्याग दिए। ग्राम वासियों ने यह देखा तो उन्होंने नाग-नागिन का अग्नि संस्कार किया। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि नाग-नागिन का रीति-रिवाज के साथ उनकी पूरी क्रिया की जाएगी और गांव में उक्त स्थान पर नाग-नागिन का चबूतरा भी बनाया जाएगा। पहाड़गढ़ जनपद सदस्य चंद्र प्रताप दुबे ने कहा है यह पहली बार देखने को मिल रहा है। सतयुग व द्वापर में पति के साथ पत्नी सती होती रही है। आज हमने देखा है नाग के साथ नागिन सती हुई है, इसीलिए इनकी क्रिया मनुष्य के समान की जाएगी और इनका चबूतरा बनाया जाएगा।

साधु संतों के आशीर्वाद से ही प्राणीमात्र का कल्याण संभवः विलोकसागर

नगर संवाददाता

मुरैना। गुरुवाणी में सदैव आशीर्वाद छिपा होता है। गुरु कभी भी अपने भक्तों का अथवा संसार के प्राणी मात्र का अहित नहीं सोचते। साधु संत सदैव सम दृष्टि रखते हैं। सच्चे साधु हमेशा जन कल्याण की बात करते हुए सभी को सामान रूप से शुभाशीष प्रदान करते हैं। जो संत अपने स्वार्थ की या अपने हित की बात करता है वो सच्चा संत हो ही नहीं सकता। इसलिए गुरु बनाने से पहिले अच्छी तरह विचार कर लेना चाहिए। गुरु आज्ञा शिरोधार्य कर उसका पालन करना चाहिए। जो व्यक्ति या प्राणी अपने गुरु की आज्ञा का उल्लंघन करता है, उनकी बुराई करता है वह कभी भी सुख शांति के साथ जीवन की नैया को पार नहीं कर पाएगा। इसलिए प्राणी मात्र को अपने गुरु बचनों पर अमल करना चाहिए, गुरु द्वारा बताए गए मार्ग का, दिए गए उपदेशों का अनुसरण करना चाहिए, तभी आपका कल्याण होगा। यदि आप ऐसा नहीं करोगे तो आपकी दुर्गति होना निश्चित है। उक्त उद्गार जैन संत मुनिश्री विलोक सागर महाराज ने बड़े जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आचार्यश्री विद्यासागर का दीक्षा दिवस 30 जून को

परम पूज्य संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज का 58वां दीक्षा महोत्सव 30 जून को पूज्य मुनिश्री विलोक सागर एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज के निर्देशन एवं सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने आज से 58 वर्ष 30 जून पूर्व आषाढ़ शुक्ल पंचमी को वीतरागी जैनेश्वरी मुनिदीक्षा अंगीकार की थी।

कृषि विभाग द्वारा सबलगढ़-जौरा में बीज दुकानों पर छापामार कार्यवाही

सबलगढ़ व जौरा के 06 बीज विक्रेताओं को नोटिस

नगर संवाददाता

मुरैना। खरीफ फसल के लिए बीज खरीदी का कार्य युद्ध स्तर पर जिले में चल रहा है। किसान दुकानों से बीज खरीद रहें है। किसान को उचित दाम एवं उन्नत किस्म का बीज मिले। इसके लिए कलेक्टर अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में प्रभारी उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अनंत बिहारी सरैया ने विगत दिवस विकासखंड सबलगढ़, जौरा में बीज की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंजाब बीज भंडार सबलगढ़, जय किसान बीज भंडार सबलगढ़, हलधर किसान बीज भंडार सबलगढ़, कृष्णा बीज भंडार सबलगढ़ एवं विकासखंड जौरा में सती माँ खाद बीज भंडार, माँ पीताम्बरा बीज भंडार जौरा को अनियमितताओं पाये जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र दिया गया। कृषि आदान विक्रेताओं की बैठक विकासखंड सबलगढ़, कैलारस एवं जौरा में ली। तथा उन्हें नियमानुसार विक्रय करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्देश दिए कि भविष्य में यदि अनियमितता के साथ विक्रय किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगा। इस अवसर पर चंद्रपाल राठौड़, रामनरेश शर्मा एवं संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मौजूद थे।

पोरसा अस्पताल के वार्ड बॉय एवं पंचायत सचिव की दारू पार्टी का वीडियो हुआ वायरल

नगर संवाददाता

मुरैना। जिले की पोरसा जनपद स्थित शासकीय सिविल अस्पताल में वार्ड बॉय एवं पंचायत सेक्रेटरी की दारू पार्टी का वीडियो दो दिन से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया है। इस प्रकार की हरकतें जिले भर के अस्पतालों में आए दिन देखने को मिलती हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। पिछले दो दिन से सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पोरसा जनपद स्थित सिविल अस्पताल में पदस्थ वार्ड बॉय सुनील रावत अपने मित्र पंचायत सचिव बड़े सिंह तोमर के साथ एक वार्ड के कमरे में दारू पार्टी करते नजर आ रहे हैं और एक युवक नमकीन खिलाता हुआ दिखाई दे रहा है, तो वहीं वार्ड बॉय गिलास में शराब पीते हुए दिखाया जा रहा है। यह वीडियो जच्चा वार्ड का बताया गया है, जिसको लेकर पोरसा सिविल अस्पताल में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

- इनका कहना है.......

जो वीडियो सोशल मीडिया पर या मीडिया द्वारा दिखाया गया है, वह एक महीने पुराना होने की जानकारी मिली है। जिसमें वहां का एक वार्ड बॉय एवं कोई पंचायत सचिव पार्टी कर रहे हैं, वहां बैठे किसी एक साथी ने ही उनका वीडियो बनाकर वायरल किया है। हो सकता है कोल्ड ड्रिंक पी रहे हों, फिर भी मेरे द्वारा ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को मामले की पूरी जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ पद्मेश उपाध्याय, सीएमएचओ, मुरैना

बल्लेबाज यशस्वी पर भारी उनकी खराब फील्डिंग, पिछले तीन टेस्ट में छोड़े इतने कैच

नई दिल्ली एजेंसी। यशस्वी आने वाले समय के सितारे है, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट के बाद सवालों के घेरे में आ गई। यशस्वी ने लीड्स टेस्ट में बेन डकेट, हैरी ब्रूक और ओली पोप के कैच छोड़े। यशस्वी जायसवाल इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दरअसल, लीड्स के हेडिंग्ले में टीम इंडिया की हार के बाद वह सवालों के कटघरे में हैं। उन्होंने इस मुकाबले में चार कैच छोड़े और चारों ने फिर भारत के खिलाफ खूब रन बनाए। सिर्फ यशस्वी ने नहीं, बल्कि बाकी भारतीय फील्डर्स से भी कैच छूटे। टीम इंडिया की खराब फील्डिंग से लीड्स में इंग्लैंड ने पांच विकेट से जीत हासिल की। यशस्वी के कैच छोड़ने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया देखने लायक थी। वह बेहद निराश नजर आ रहे थे। अब जब दूसरा टेस्ट दो जुलाई से खेला जाएगा तो यशस्वी से फील्डिंग के स्तर में सुधार की गुंजाइश होगी। क्रिकेट मैच में यह कहावत काफी प्रसिद्ध है कि कैच छोड़ो मैच छोड़ो। पिछले तीन टेस्ट में यह कहावत सही साबित हुई है। यशस्वी ने इन मैचों में जितने रन बनाए, उससे ज्यादा रन जिनको उन्होंने जीवनदान दिया, उसने बना डाले। यशस्वी आने वाले समय के सितारे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी फील्डिंग लीड्स टेस्ट के बाद सवालों के घेरे में आ गई। यशस्वी ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान बेन डकेट का कैच छोड़ा। तब वह 97 रन पर थे। इसके बाद उन्होंने 149 रन की पारी खेली। इतना ही नहीं, पहली पारी में भी यशस्वी ने स्लिप में शतकवीर ओली पोप और हैरी ब्रूक के भी कैच छोड़े। पहली पारी में ब्रूक ने 99 रन और पोप ने 106 रन बनाए। इससे फैंस काफी नाराज हुए। फिर यशस्वी को चार कैच छोड़ने के बाद इंग्लिश फैंस के सामने डांस करते भी देखा गया। इस पर गावस्कर समेत कई पूर्व क्रिकेटर्स ने उनकी क्लास लगाई, वहीं कैफ और अश्विन समेत कुछ पूर्व क्रिकेटर्स ने उनका बचाव भी किया। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पिछले साल मेलबर्न टेस्ट से कुल मिलाकर तीन टेस्ट खेले हैं। मेलबर्न टेस्ट की दूसरी पारी से यशस्वी ने कुल मिलाकर सात कैच ड्रॉप किए हैं। यशस्वी ने इस दौरान पांच पारियों (दूसरी पारी से) में बल्लेबाजी की है और 221 रन बनाए हैं। इसमें 84 रन, 10 रन, 22 रन, 101 रन और चार रन की पारियां शामिल हैं। हालांकि, जो सात कैच उन्होंने ड्रॉप किए, उन बल्लेबाजों ने जीवनदान मिलने के बाद 229 रन बना डाले। यानी यशस्वी की बल्लेबाजी पर उनकी खराब फील्डिंग हावी रही है। अश्विन ने किया यशस्वी का बचाव हालांकि, अश्विन ने यशस्वी का

बचाव करते हुए कहा कि %स्लिप कॉर्डन पर यशस्वी के कैच छोड़ने को लेकर कई बातें हुई हैं। हां, उसे यह मुश्किल लग रहा होगा, लेकिन आइए हम सब बस कुछ समझें और उन्हें थोड़ा आराम से रहने दें, जो हम अक्सर करने में विफल रहते हैं। मैं यह बताना चाहता हूं कि इंग्लैंड में कैच पकड़ना कितना मुश्किल है। वहां ठंड रहती है और ड्यूक की गेंद की अहम किरदार निभाती है। अश्विन ने कहा, %ड्यूक गेंद से ढलने में समय लग सकता है। एसजी गेंद हाथ में अच्छे से आती है और आरामदायक महसूस होता है। कूकाबूरा छोटी लगती है। ड्यूक कठिन है और निश्चित रूप से गेंद बड़ी लगती है और उसे कैच करना आसान नहीं है। यशस्वी भारत के सबसे बेहतर स्लिप फील्डर्स में से एक रहे हैं। उन्होंने हाल के दिनों में कुछ शानदार कैच लपके हैं, खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में। इसलिए हमें उन्हें कुछ समय देना चाहिए। वहीं, कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, यशस्वी जायसवाल कैच क्यों छोड़ रहे हैं? हम ड्यूक की गेंद से अभ्यास कर रहे हैं और जब हमें चोट लगती है, तो हम पट्टी बांध लेते लेते हैं।

बीसीसीआई और ईसीबी ने सऊदी टी20 लीग को दिया झटका, परियोजना का समर्थन नहीं करने फैसला किया

लंदन एजेंसी। सऊदी टी20 लीग को रोकने के लिए इन दोनों देशों के बोर्ड ने हाथ मिलाया है। इसका मतलब यह है कि सऊदी टी20 लीग में शामिल होने के लिए यह दोनों देश अपने खिलाड़ियों को एनओसी नहीं देंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सऊदी टी20 लीग को झटका दिया है और इस परियोजना का समर्थन नहीं करने का फैसला किया है। सऊदी टी20 लीग को रोकने के लिए इन दोनों देशों के बोर्ड ने हाथ मिलाया है। इसका मतलब यह है कि सऊदी टी20 लीग में शामिल होने के लिए यह दोनों देश अपने खिलाड़ियों को एनओसी नहीं देंगे। बताया जा रहा है कि सऊदी टी20 लीग में 400 मिलियन डॉलर (करीब 3442 करोड़ रुपये) का

निवेश होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि इस महीने लॉर्ड्स में खेली गई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के दौरान ईसीबी और बीसीसीआई ने नई लीग का विरोध करने के लिए एकजुट होने पर सहमति जताई। दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि वे अपने खिलाड़ियों को नई प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं करेंगे। दोनों बोर्ड इसके साथ ही आईसीसी से उनके समर्थन को रोकने के लिए पैरवी भी करेंगे। दूसरी ओर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया लीग में सऊदी निवेशकों के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक दिखा। इस रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया से पता चली योजना के मुताबिक सऊदी अरब के एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स ने नई लीग की स्थापना के लिए 400 मिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। इसमें आठ टीमें हर साल अलग-अलग स्थानों पर चार टूर्नामेंट खेलेंगी, जिसकी तुलना टेनिस के ग्रैंडस्लैम से की जा रही है। सीए का मुख्य उद्देश्य निजी निवेशक से लाभ कमाना है क्योंकि बिग बैश लीग (बीबीएल) फ्रेंचाइजी का स्वामित्व शासी निकाय और राज्यों के पास है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि आईसीसी का संचालन वर्तमान में बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह कर रहे हैं, ऐसे में इस मामले में उनके बीसीसीआई की इच्छा के विरुद्ध जाने की संभावना नहीं है।

अपने बल्ले से क्रिकेट को नया रूप दे रहे हैं ऋषभ, पंत का मुरीद हुआ यह पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

सिडनी एजेंसी। चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। चैपल ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार पंत को देखा था तो उन्हें गिलक्रिस्ट की याद आ गई थी। चैपल ने कहा पंत एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज और भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल ने ऋषभ पंत की जमकर तारीफ की है। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में पंत के शतक के बाद चैपल ने कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज बल्लेबाज के तौर पर खेल को नया रूप दे रहे हैं। पंत ने पहले टेस्ट में 134 (178 गेंद, 12 चौके, छह छक्के) और 118 रन (140 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) की पारियां खेलीं। इस दौरान उन्होंने कुछ रिकॉर्ड भी बनाए। भारत ने हालांकि यह मैच पांच विकेट से गंवा दिया।

चैपल ने कहा कि भारत के टेस्ट उप कप्तान पंत ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो एमसीसी प्लेइंग मैनुअल में भी नहीं हैं। उन्होंने बुधवार को एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, जब मैंने पहली बार उन्हें देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गई थी। बेशक एक अलग तरह का खिलाड़ी। जब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है, आप समझ सकते हैं। उन्होंने कहा, खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाते हैं, जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उनका प्रदर्शन शानदार था। उन्होंने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उन्हें देखना रोमांचक है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि पंत क्रिकेट के मैदान पर क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उनसे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकते हैं। आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता हैं और उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगभग अंतर पैदा कर दिया था। चैपल ने कहा कि शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में अच्छी शुरुआत की, भले ही पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट में परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। उन्होंने कहा, यह एक शानदार टेस्ट मैच था। दुख की बात है कि परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहा। उनके लिए बहुत सारी अच्छी चीजें थीं।

सूर्यकुमार का जर्मनी में हर्निया का सफल ऑपरेशन

नई दिल्ली। खेल हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्युनिख में पेट के दाएं ओर खेल हर्निया का सफल ऑपरेशन हुआ। 34 वर्ष के सूर्यकुमार ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा, लाइफ अपडेट- पेट के निचले दायें ओर खेल हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। खेल

हर्निया कमर या पेट के निचले हिस्से में नरम ऊतकों की चोट है जिसमें अक्सर मांसपेशियां, कंडराएं या स्नायुबंधन शामिल होते हैं। जर्मनी में सर्जरी के बाद सूर्यकुमार बेंगलुरू में बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र पर रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। भारत को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। सूर्यकुमार ने 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से 50 ओवरों के प्रारूप में नहीं खेला है। यह तीन साल में सूर्यकुमार का तीसरा ऑपरेशन था। इससे पहले 2023 में उनके टखने का ऑपरेशन हुआ था और 2024 में खेल हर्निया की भी सर्जरी हुई थी। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार 2025 सत्र में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। उन्होंने 717 रन बनाये हालांकि मुंबई इंडियंस को प्लेआफ में दूसरे क्वालीफायर में पंजाब किंग्स ने हराया। मुंबई टी20 लीग में सूर्यकुमार ने ट्रायंफ नाइट्स मुंबई नॉर्थईस्ट की कप्तानी की।

एवीपी फाल्कन-अखंड वॉरियर्स जीते, दोनों में सेमी फाइनल आज

अलीगढ़। अलीगढ़ में अमर उजाला प्रीमियर लीग का सेमी फाइनल आज खेला जाएगा, जो एवीपी फाल्कन और अखंड वारियर्स के बीच होगा। जो इसमें जीतेगी वह टीम फाइनल में विजडम वॉरियर्स से भिड़ेगी। अमर उजाला प्रीमियर लीग में 25 जून को सांगवान फाल्कन बनाम एवीपी फाल्कन और अखंड वारियर्स बनाम मंगलायतन मार्वल्स के मुकाबले हुए। इसमें एवीपी फाल्कन और अखंड वॉरियर्स की टीम विजेता बनी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई। पहले मैच में सांगवान फाल्कन की टीम 19.2 ओवर में 110 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दीपक चौधरी ने 14, विनय

प्रजापति ने चार, हनी चौधरी ने 19, कैफ रहमान ने 20, विकास पटेल ने 22 व मोहन चौधरी ने 12 रन बनाए। ललित और आदित्य सारस्वत ने 3-3-विकेट लिए। एवीपी फाल्कन के बल्लेबाज चिराग शर्मा ने 7 चौके 6 छक्कों की मदद से 26 गेंदों में 64 रन बनाए। वसीम ने 34, विकास पटेल ने 22 रन बनाए। एवीपी फाल्कन ने 7.4 ओवर में एक विकेट पर 114 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। प्लेयर ऑफ द मैच रहे चिराग शर्मा को 2000 हजार रुपये का पुरस्कार और ट्रॉफी देकर एवीपी इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर पुष्कर राठौर ने सम्मानित किया। फाइटर ऑफ द मैच दीपक चौधरी को पुष्कर राठौर ने सम्मानित किया। मैन ऑफ द मैचदूसरा मैच अखण्ड वारियर्स और मंगलायतन मार्वल्स के बीच खेला गया। जिसमें अखण्ड वारियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए अखण्ड वारियर्स ने 20-ओवर में 6-विकेट के नुकसान पर 200-रनों का लक्ष्य रखा। बल्लेबाजी करते हुए रोहन राठी ने 9-चौके 5-छक्कों की मदद से 57-गेंदों में 90- रन बनाए, इमरान आलम ने 48, उत्कर्ष अग्रवाल ने 46 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए अजयवीर ने 3, अनुज प्रेम राजपूत ने 2, मयंक ने 2, विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलायतन मार्वल्स की टीम 15.4 ओवर में 109 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बल्लेबाज वरुन अग्रवाल ने 10, चेतन सिंह ने 5, गोपाल चतुर्वेदी ने 45, अजयवीर ने 14, मयंक शर्मा ने 4, हर्ष शर्मा ने 5, नयन भारद्वाज ने 9, प्रथम ने 2, रोहित चौधरी ने 2 और शिवम कुमार शुन्य पर आउट हो गए। इस तरह अखण्ड वारियर्स ने यह मुकाबला 91 रनों से जीत लिया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही

बर्लिन एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया को कप्तान टोबी मेलोन ने दूसरे हाफ में बढ़त दिलाई जिसके बाद रोहित ने 45वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। अजीत यादव ने 52वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के प्लेऑफ में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने मिला और भारत तथा ऑस्ट्रेलिया शुरुआती दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकी।

ऑस्ट्रेलिया को कप्तान टोबी मेलोन ने दूसरे हाफ में बढ़त दिलाई जिसके बाद रोहित ने 45वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। अजीत यादव ने 52वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने अंतत- तीसरे क्वार्टर में मैच के 40वें मिनट में टोबी के मैदानी गोल से बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम हालांकि अधिक समय तक जश्न नहीं बना सकी क्योंकि पांच मिनट बाद ही रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत ने इसके बाद अंतिम क्वार्टर में अजीत के गोल से बढ़त बनाई और जीत सुनिश्चित की। पूल चरण में भारत ने मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की करारी हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराकर वापसी की। टीम को अपने अंतिम लीग मैच में स्पेन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कोलंबो टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश का स्कोर 220/8

शादमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए; फर्नांडो, दिनुषा और विश्वा को 2-2 विकेट

नई दिल्ली एजेंसी। बांग्लादेश के श्रीलंका दौरे का दूसरा मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। बुधवार को मैच का पहला दिन है। स्टंप्स तक बांग्लादेश ने 8 विकेट पर 220 रन बना लिए हैं। तैजुल इस्लाम 9 और इबादत हुसैन 5 रन पर नाबाद हैं। श्रीलंका से असिथा फर्नांडो, सोनल दिनुषा और विश्वा फर्नांडो 2-2 विकेट ले चुके हैं। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। हालांकि टीम को पहला झटका 5 रन के स्कोर पर ही लग गया। अनमुल हक बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें असिथा फर्नांडो ने बोल्ड किया। दूसरा विकेट 43 रन के स्कोर पर गिरा। मोमिनुल हक 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें धनंजय डी सिल्वा ने आउट किया। लिटन दास (34 रन) के आउट होते ही टी-ब्रेक का ऐलान कर दिया गया। उन्हें सोनल दिनुषा ने कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 67 रनों की पार्टनरशिप को ब्रेक किया। शादमान इस्लाम 46, कप्तान नजमुल हसन शांतो 8 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका की ओर से

असिथा फर्नांडो और सोनल दिनुषा 2-2 विकेट ले चुके हैं।

श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ रहा था। बांग्लादेश ने पांचवें दिन दूसरी पारी 285/6 के स्कोर पर डिक्लेयर कर दी। श्रीलंका को जीत के लिए 296 रन बनाने थे। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब श्रीलंका का स्कोर 72/4 था। गॉल टेस्ट में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 495 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी में 485 पर ऑलआउट हुई। पांचवें दिन बारिश की वजह से मैच कई बार रुका था। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। पहला वनडे 2 जुलाई और दूसरा 5 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 8 जुलाई को पल्लेकेले में होगा।

वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम :- मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, लिटन दास, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा।

एआईसीएफ ने खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की

__नई दिल्ली एजेंसी।__ एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने बुधवार को शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी वजीफा योजना (टीएनपीएसएस) शुरू करने की घोषणा की जो प्रतिभा विकास में मदद करने के लिए एक वित्तीय सहायता पहल है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है। एआईसीएफ शीर्ष युवा शतरंज प्रतिभाओं के खातों में 60 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की पहली तिमाही वजीफा राशि तुरंत भेज रहा है। अप्रैल से जून के महीनों के लिए कुल 42.30 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे। अंडर-सात से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी इस योजना के लाभार्थी होंगे। नारंग ने कहा, ''यह सिर्फ एक योजना नहीं है। यह दर्शाता है कि हम भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी पर कितना गहरा विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे इतिहास में पहली बार हम 39 लड़कियों और 39 लड़कों के भविष्य में सीधे निवेश कर रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा को सफलता में बदलने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

ग्वालियर से बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू, स्लीपर कोच में बैठकर शिवपुरी पहुंचे सिंधिया

बोले- जो मजा स्लीपर कोच में है वो एसी में कहां

नगर संवाददाता

शिवपुरी। ग्वालियर से बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन सेवा की शुरुआत हो गई है। गुरुवार दोपहर 4-40 बजे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन से ट्रेन नंबर 11085/86 ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु साप्ताहिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअली शामिल हुए। उद्घाटन के दिन विशेष ट्रेन नंबर 01086 ग्वालियर से रवाना हुई, जो 28 जून की सुबह 8-35 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। ट्रेन शुरू होने से शिवपुरी, गुना, अशोकनगर जैसे अंचल के हजारों यात्रियों को सीधा बेंगलुरु तक ट्रेन सुविधा मिलेगी। ट्रेन के रवाना होने के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी इसी ट्रेन से सफर पर निकले। इस दौरान उन्होंने समर्थकों से कहा कि जो मजा यहां है वो एसी कोच में नहीं। यह ट्रेन ग्वालियर से चलकर शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, बीना, विदिशा, भोपाल, नागपुर, काचीगुड़ा, धोन, धर्मावरम होते हुए बेंगलुरु पहुंचेगी। ट्रेन में कुल 22 कोच हैं, जिनमें स्लीपर, एसी जनरल और इकोनॉमी क्लास शामिल हैं। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन चलेगी। नियमित सेवा 4 जुलाई से ग्वालियर और 29 जून से बेंगलुरु से शुरू होगी। ट्रेन लगभग 40 घंटे में गंतव्य तक पहुंचेगी।

सिंधिया ने ही की थी ट्रेन की मांग

इस ट्रेन की मांग खुद केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने की थी। उन्होंने 2024 और 2025 में रेल मंत्री को पत्र लिखकर गुना लोकसभा क्षेत्र से बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन की आवश्यकता जताई थी। उन्होंने बताया था कि इस क्षेत्र के हजारों छात्र और नौकरीपेशा लोग बेंगलुरु जाते हैं और पहले बीना, भोपाल या ग्वालियर जाकर ट्रेन पकडनी पड़ती है, जिससे 8-10 घंटे का अतिरिक्त समय लगता है।

खुले में बिक रहा अंडा, मांस-मछली, नगर प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

नगर संवाददाता

कोलारस। नगर के जगतपुर चौराहे के पास खुले में अंडा, मांस और मछली का विक्रय निरंतर किया जा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार इन्हें ढककर बेचना अनिवार्य है। नगर में अधिकांश मांस विक्रेता इस नियम का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा कई विक्रेताओं ने सड़कों पर काउंटर लगाकर विक्रय करना शुरू कर दिया है, जिससे राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही है।नगरवासियों का कहना है कि खुले में मांस विक्रय से धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में कई मंदिर स्थित हैं और यहां से महिलाओं एवं बच्चों का आना-जाना भी बना रहता है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि खुले में मांस बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है

-आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है। मांस विक्रेताओं को शीघ्र ही हटवा दिया जाएगा।

रवि चौहान, थाना प्रभारी, कोलारस

मेरे द्वारा बीते रोज खुले में मांस बेच रहे विक्रेताओं को निर्देशित किया गया था कि वे ऐसा न करें। यदि अब भी इस प्रकार की बिक्री हो रही है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रमेश भार्गव,
सीएमओ, नगर परिषद कोलारस

शिवपुरी के सपनों को मिला सिंधिया राजघराने का आशीर्वाद, युवाओं की टीम शिवपुरी टाइगर्स को मिली नई उम्मीद

नगर संवाददाता

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के युवाओं के लिए एक नई उम्मीद की किरण सामने आई है। शहर के उभरते हुए युवा नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री सुरेश राठखेड़ा के सुपुत्र जीतू राठखेड़ा ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सुपुत्र श्रीमंत महाआर्यमन सिंधिया से भेंट कर उन्हें शिवपुरी की ओर से मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीपीएल) में एक टीम शामिल करने का प्रस्ताव सौंपा। इस भावुक भेंट के दौरान युवराज महाआर्यमन सिंधिया ने पूर्ण आत्मीयता के साथ प्रस्ताव को सराहा और आगामी समय में इसे स्वीकृति देने का आश्वासन भी दिया। जीतू राठखेड़ा ने बताया कि यह ऐतिहासिक मुलाकात ग्वालियर में आयोजित मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के फाइनल मैच के अवसर पर हुई, जहाँ उन्हें महाआर्यमन सिंधिया से सीधे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने यह भी कहा कि यह क्षण न केवल उनके लिए, बल्कि समस्त शिवपुरी जिले के युवाओं के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर शिवपुरी के युवा क्रिकेट प्रेमियों की भावनाएं महाआर्यमन के समक्ष रखी गई और 'शिवपुरी टाइगर्स' के नाम से टीम उतारने की अपील की गई। महाआर्यमन सिंधिया ने इस निवेदन को सहजता और स्नेह के साथ स्वीकार करते हुए सभी युवाओं का मनोबल बढ़ाया। भविष्य की उम्मीद लिए जीतू राठखेड़ा ने समस्त शिवपुरी नगरवासियों की ओर से महाआर्यमन सिंधिया का आभार प्रकट किया और कहा कि यदि यह सपना साकार होता है, तो यह शिवपुरी की खेल संस्कृति में एक नया अध्याय जोड़ देगा। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि शिवपुरी टाइगर्स, न केवल जिले का प्रतिनिधित्व करेगी, बल्कि युवाओं को खेल के माध्यम से नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान करेगी।

सीईओ के निरीक्षण के दौरान विद्यालय एवं मध्यान्ह भोजन मिला बंद

अनुपस्थित रोजगार सहायक एवं शिक्षकों को जारी किए नोटिस

नगर संवाददाता

शिवपुरी/पिछोर- परियोजना अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिछोर एन.एस.नरवरिया द्वारा बुधवार को पिछोर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतों में ई केवाईसी, तथा अन्य योजनाओं से सम्बंधित चल रहे विकास कार्यों तथा विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया।

जानकारी के अनुसार सीईओ नरवरिया नें अपनें भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत नावली, बक्सनपुर आदि ग्रामों में ग्रामवासियों द्वारा कराई जा रही समग्र ई केवाईसी का मौके पर निरीक्षण किया तथा इस सम्बन्ध में ग्रामीण वासियों को इस कार्य को गंभीरता से पूर्ण करनें को कहा एवं उन्होंने कहा यदि आप लोगों की ई केवाईसी समग्र आईडी से लिंक नहीं है तो आप लोग शासन की किसी भी योजना का लाभ नहीं ले सकते हो। सभी ग्रामीणजन अपनी-अपनी ई केवाईसी अबश्य कराएँ, इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत नावली, बक्शनपुर ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया, जहाँ नावली में पदस्थ रोजगार सहायक अनुपस्थित मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा इसके साथ ही उन्होंने शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय नावली को देखा जहां माध्यमिक विद्यालय बंद पाया गया तथा प्राथमिक विद्यालय में दो शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, किंतु छात्र उपस्थिति पंजी पर 16 जून से 25 जून तक छात्रों की उपस्थिति दर्ज नहीं पाई गई। वही प्राथमिक विद्यालय करियाठेका भी बंद मिला, इसके साथ विद्यालयों में बच्चों को दिया जाने वाला मध्यान भोजन भी वितरण नहीं किया जा रहा है।

वारंटी गिरफ्तारी अभियान के तहत बैराड़ पुलिस ने स्थाई वारंटी को दबोचा

नगर संवाददाता

शिवपुरी। थाना बैराड़ पुलिस द्वारा फरार/स्थाई वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए स्थाई वारंटी मीन कुमार बेड़िया को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी पोहरी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में 26 जून 2025 को यह कार्यवाही की गई। थाना प्रभारी बैराड़ निरीक्षक रविशंकर कौशल को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मीन कुमार बेड़िया (पुत्र असगर बेड़िया, उम्र 30 वर्ष, निवासी बेड़िया मोहल्ला, बैराड़, जिला शिवपुरी) को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक रविशंकर कौशल, सहायक उप निरीक्षक तेजसिंह गौड, हरिओम पाण्डे, प्रधान आरक्षक हरिओम बर्गे, आरक्षक चेतन राठौर और सुनील कुमार की विशेष भूमिका रही।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर एसएमएसएस ने चलाया जागरूकता अभियान

नगर संवाददाता

शिवपुरी–शक्तिशाली महिला संगठन समिति द्वारा 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर एक सशक्त विचार–विमर्श एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिवस का उद्देश्य समाज में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जन–चेतना को सशक्त करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य ट्रेनर रवि गोयल ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा समाज को भीतर से खोखला कर देता है। यह सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार और समुदाय की समस्या है। हमें मिलकर इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस मौके पर संगठन के कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से करन, धर्म, केशव, माधव, नितिन, ललित झा, नितेश ओझा,साहब सिंह, लखन लाल, बबीता कुर्मी, मुकेश नर्मदा, कमलेश और अन्य सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।दिलाई नशा मुक्ति शपथ, किया जागरूकअंतर्राष्ट्रीय नशा दिवस के अवसर पर संस्था के द्वारा उपस्थितजनों को नशा मुक्ति शपथ दिलाई गई, पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से संदेश संप्रेषण, स्थानीय नागरिकों से संवाद, सरकारी प्रयासों पर प्रस्तुति एवं अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पृष्ठभूमि और 2025 की थीम पर हर वर्ष 26 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1987 में यू एन जी यू के प्रस्ताव से हुई थी। वर्ष 2025 की थीम है, बाधाओं को तोड़ना सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति इसका उद्देश्य है हर वर्ग तक इलाज और पुनर्वास की पहुंच सुनिश्चित करना। संस्था के रवि गोयल ने बताया कि सरकार द्वाराअब तक 10 करोड़ से अधिक लोग जागरूक किए गए हैं, 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं, इसके साथ ही नशा मुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य, और पुनर्वास आधारित पुनर्निर्माण संस्था के प्रमुख कार्यक्षेत्रों में शामिल हैं। नशे के खिलाफ जागरूकता ही असली रोकथाम है, इस विचार को आगे बढ़ाते हुए संस्था द्वारा यह कार्यक्रम एक सार्थक पहल साबित होगा। प्रोग्राम में 15 से अधिक वॉलंटियर को मास्टर ट्रेनर तैयार किया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर एसएमएसएस ने चलाया जागरूकता अभियान, नशे के खिलाफ 15 मास्टर ट्रेनर तैयार

नगर संवाददाता

शिवपुरी। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर शक्तिशाली महिला संगठन समिति (एसएमएसएस) द्वारा संस्था कार्यालय, बानगंगा मंदिर के पास एक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जन चेतना को सशक्त करना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य ट्रेनर रवि गोयल ने की। अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा, नशा समाज को भीतर से खोखला कर देता है। यह सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे परिवार और समुदाय की समस्या है। हमें मिलकर इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस अवसर पर संगठन के अनेक सक्रिय स्वयंसेवकों– जिनमें करन, धर्म, केशव, माधव, नितिन, ललित झा, नितेश ओझा, साहब सिंह, लखन लाल, बबीता कुर्मी, मुकेश नर्मदा, कमलेश सहित अन्य शामिल थे–ने भाग लिया।

पीके यूनिवर्सिटी का फर्जीवाड़ाः पूर्व रजिस्ट्रार चेतन नेमाड़े को यूनिवर्सिटी छोड़ने के बाद मिला 3.5 करोड़ का इनकम टैक्स नोटिस

डायरेक्टर जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी में हो रहा है भ्रष्टाचार

नगर संवाददाता

करैरा। शिवपुरी जिले में स्थित पीके यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों के घेरे में है। विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार चेतन नेमाड़े ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है कि उनके पैन कार्ड का बिना अनुमति दुरुपयोग किया गया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें यूनिवर्सिटी छोड़ने के बाद इनकम टैक्स विभाग से ?3.5 करोड़ की रिकवरी का नोटिस मिला। नेमाड़े ने दावा किया कि यह दुरुपयोग विश्वविद्यालय द्वारा अवैध नकद लेनदेन को छिपाने के लिए किया गया। इस खुलासे ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं, और नेमाड़े ने इस मामले की सीबीआई जाँच की माँग की है ताकि इस भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो सके। चेतन नेमाड़े ने बताया कि उन्होंने पीके यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार के रूप में कार्य किया, लेकिन यूनिवर्सिटी छोड़ने के बाद उन्हें इनकम टैक्स विभाग से ?3.5 करोड़ की रिकवरी का नोटिस प्राप्त हुआ। उनके अनुसार, विश्वविद्यालय ने उनके पैन कार्ड का बिना अनुमति उपयोग करके अवैध लेनदेन किए, जिसके बारे में उन्हें तब तक कोई जानकारी नहीं थी जब तक नोटिस उनके पास नहीं पहुँचा। नेमाड़े ने आरोप लगाया कि यह विश्वविद्यालय की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसमें कर्मचारियों के पैन कार्ड का दुरुपयोग कर वित्तीय अनियमितताएँ छिपाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथाएँ न केवल कर्मचारियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि शिक्षा संस्थान की विश्वसनीयता को भी धूमिल करती हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन पर भी लगाये गंभीर आरोप

नेमाड़े ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर भ्रष्टाचार और गैर–कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने विश्वविद्यालय के फर्जीवाड़े का विरोध किया, तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। इसके बावजूद, उनके पैन कार्ड का दुरुपयोग जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें भारी वित्तीय दंड का सामना करना पड़ रहा है। नेमाड़े ने दावा किया कि विश्वविद्यालय में इस तरह की अनियमितताएँ आम हैं, और कई अन्य कर्मचारी भी इस तरह के दुरुपयोग का शिकार हो सकते हैं। उन्होंने जितेंद्र मिश्रा को इस फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड बताया, जो कथित तौर पर विश्वविद्यालय में अवैध गतिविधियों को संचालित करता है। नेमाड़े ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक पदों, जैसे कुलाधिपति और कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया, पूरी तरह अपारदर्शी है। नेमाड़े ने इस मामले की गहन जाँच के लिए सीबीआई या उच्च शिक्षा अधिकारियों से हस्तक्षेप की माँग की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की भ्रष्ट प्रथाओं ने न केवल कर्मचारियों, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य को भी खतरे में डाल दिया है। नेमाड़े ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज की थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के भ्रष्ट तंत्र को तोड़ने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। स्थानीय लोग और पूर्व कर्मचारी भी इस मामले में उच्चस्तरीय जाँच की माँग कर रहे हैं, ताकि पीके यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों की जवाबदेही सुनिश्चित हो और शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता बहाल हो।

ईश्वरी संस्था दिनारा ने डेढ़ दर्जन मेधावी छात्र,छात्राओं का सम्मान किया

संस्था की मुख्य प्रशासिका की पुण्य स्मृति में किया आयोजन

नगर संवाददाता

दिनारा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय दिनारा में विद्यालय की संचालिका ब्रह्माकुमारी बमनीषा दीदी एवं प्रियंका दीदी ने ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका जगंबा सरस्वती के 60वा पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में दिनारा के कक्षा 10वीं और कक्षा 12 वीं के 85 प्रतिशत एवं 85 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान किया । कार्यक्रम आयोजक मनीषा दीदी,केपी चौरसिया ने छात्र,छात्राओं को नियमित पढ़ाई के साथ साथ धार्मिक और संस्कारवान बनने के लिए प्रेरित किया एवं डॉ.अंकित गुप्ता ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी पढ़ाई सहित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में समझाया । इसके उपरांत कक्षा 10वीं की राधिका राजपूत,आयुषी प्रजापति,तनिष्का गुप्ता,भूमि सोनी,ईशू साहू,आदर्श गुप्ता,आयुष झा,हनी राजपूत,दीपक राय एवं कक्षा 12वीं से श्रृष्टि कुशवाहा,वेदिका साहू,नितिन यादव,सौम्या शर्मा,श्रृष्टि गुप्ता,महक राय,सौम्या गुप्ता,शिवानी राजपूत,हर्ष पाल का सम्मान किया गया एवं सरकारी सेवा में चयनित शिवानी सोनी के पिताजी राजेश सोनी का सम्मान किया । इसके उपरांत संस्था की प्रशासिका का पुण्य स्मृति दिवस पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरती की गई । कार्यक्रम का संचालन प्रियंका दीदी ने किया । आखिर में ईश्वरीय संस्था दिनारा द्वारा छात्र,छात्राओं सहित कार्यक्रम में शामिल सभी को दाल बांटी का कार्यक्रम रखा गया।

स्वत्वाधिकर स्वामी प्रकाशक महेंद्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्टस गुड़ी गुडा का नाका 14 बटालियन लश्कर जिला ग्वालियर से मुद्रित कराकर -प्रकाशित नियर मठ छोटा बाजार तहसील करेरा जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश संपादक मनीष तिवारी - प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा -समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र करेरा होगा मोबाइल नंबर 9074692488/9589886958/9826061240/-ईमेल आईडी-navneete&pressxx@gmail.com